वार्षिक प्रतिवेदन

2013-14

(हिन्दी पाठ)

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
चेन्नई - ६०० ११३

निदेशक की तरफ से

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई - रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नई वर्ष 2013-14 के लिए वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के जरिए तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता की तलाश में संस्थान के सामूहिक प्रयास पर प्रबंध प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। हमारे संकाय सदस्यों की समर्पित सेवा से तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण (पॉलिटेकनीक और इंजीनियरिंग कालेज) अनुसंधान, पाठ्यचर्या विकास, समुद्रपार प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धि को यह प्रतिवेदन प्रतिबिंबित करता है। इस रिपोर्ट में संस्थान का भविष्य निरूपण, मिशन एवं लक्ष्य और उसके प्रकार्य, राज्य, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के निकायों से समन्वय और विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं के अधीन संस्थान द्वारा लिए गए कार्यकलापों का भी समावेश है।

हम सदा उन प्रोद्योगिकी विकासों का लाभ उठाने का प्रयत्न करते हैं जो हमारे प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और राष्ट्र भर के हमारे शिक्षकों को सुलभ बना सके। हम स्वीकार करते हैं कि सभी संकाय सदस्यों के लिए प्रोद्योगिकी विश्वसनीय रूप से सुगम नहीं हो सकती। अत: हम अद्यतन प्रोद्योगिकी विकासों का अपने प्रशिक्षण में समावेश करने और उसे किसी को अगम्य और असमर्थ न होने के प्रति सावधान रहते हैं। प्रयोगशाला और अनुदेशात्मक सुविधाओं में सतत सुधार प्रतिभागियों को लाभप्रद अधिगम अनुभव को सुनिश्चित करते हैं और सजावट द्वारा पर्यावरण में परिवर्तन अधिक सुखद अधिगम अनुभव प्रदान करता है।

2013-14 का यह वर्ष विस्तार और विकास का काल रहा। इस वर्ष के दौरान :

- उद्योगों से तकनीकी 2625 शिक्षकों और कार्मिकों का प्रशिक्षण
- 7 समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 37 देशों से 126 शिक्षकों, नीति विर्माताओं और शिक्षा प्रशासकों का प्रशिक्षण
- 49 उम्मीदवार डॉक्टोरल और मास्टर्स कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।
- एम.टेक (मा सं वि) की पाठ्यचर्या और सात समुद्र पार प्रशिक्षक कार्यक्रम का पुनरीक्षण किया गया।
- 131 अनुदेशात्मक संसाधनों का विकास (मुद्रित सामग्रियाँ और वीडियो)
- दो करोड़ रुपए की आठ अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को पूरा करना

यद्यपि सारी दुनिया में कई हजारों व्यक्तियों की आवश्यकताएँ हम पूरी करते हैं, सबसे अधिक संतोष तब होता है जब हमारे संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तिगत संकाय सदस्यों से उनकी राय सुनते हैं। वे चर्चाओं में भाग लेते हैं और हमारे संकाय सदस्यों को ई-मेल भेजते हैं। आपके अमूल्य समर्थन से हम अपने भावी कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्धता और विस्तृत भविष्य निरूपण तैयार करते हैं। यह आशा की जाती है कि पॉलिटेक्नीक / इंजीनियरिंग संस्थाओ के संकाय और प्रबंधन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अधिक संख्या में आगे आएँगे में और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के हमारे सामान्य प्रयास से अधिकतम लाभ उठाएँगे।

संस्थान ने शासक मंडल के अध्यक्ष डॉ. अल्लम अप्पा राव, अध्यक्ष, शासक मंडल के अन्य श्रेष्ठ सदस्यों और साथ ही भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव, अपर सचिव, निदेशक, उप शिक्षा सलाहकार तथा अन्य अधिकारियों से अनवरत अभिप्रेरण प्राप्त किया है। मैं इस अवसर पर उनके प्रति आभार प्रकट करता हूँ। इस वर्ष के दौरान प्रभावी शिक्षण के लिए तकनीकी शिक्षकों को तकनीकी शिक्षण के माध्यम से सिद्धहस्त बनाकर तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता की हमारी खोज में जिन्होंने हमें प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया उन सभी को मैं धन्यवाद अर्पित करता हूँ। मैं आशा करता हूँ और आश्वासन देता हूँ कि आनेवाले वर्षों में संस्थान उच्चतर स्तर की उपलब्धियाँ प्राप्त करता रहेगा।

निदेशक

विषय वस्तु सारणी

भाग - I

कार्यकलाप रिपोर्ट

1.0 प्रस्तावना 1

2.0 लक्ष्य 2

3.0 2013-14 के दौरान कार्यकलापों का केन्द्र बिन्दु 3

4.0 संकाय विकास कार्यक्रम 5

4.1 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम 6

अ) डाक्टर की उपाधि संबंधी अनुसंधान कार्यक्रम 6

आ) एम.टेक (मा.सं.वि.) कार्यक्रम 7

इ) समुद्रपार प्रशिक्षणार्थी पाठ्यक्रम 7

4.2 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम 13

अ) पॉलिटेक्नीक कॉलेज कार्यक्रम 13

आ) पॉलिटेकनीक कॉलेज कार्यक्रम - वेब कैस्ट प्रणाली 15

इ) इंजीनियरिंग कॉलेज कार्यक्रम 19

4.3 उद्यागों और अन्य संगठनों के लिए पाठ्यक्रम 20

4.4 समझौता ज्ञापन 21

4.5 संचालित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालाएँ 21

5.0 पाठ्यचर्या विकास 26

6.0 अनुदेशात्मक सामग्री विकास 27

7.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास 27

8.0 अनुसंधान तथा विकास और विस्तार एवं परामर्श सेवाओं से संबंधित परियोजनाएँ 27

9.0 राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम 28

10.0 पॉलिटेकनिक के जरिए समुदाय विकास योजना 29

11.0 अपंग व्यक्तियों को तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा की मुख्य धारा में एकीकृत करना 30

12.0 आभासी रा.त.शि.प्र.अ.सं. 32

13.0 ई-गवर्नन्स परियोजना का कार्यान्वयन 34

14.0 हिन्दी भाषा के प्रयोग का कार्यान्वयन 34

15.0 अंत: रा.त.शि.प्र.अ.सं. खेल प्रतियोगिता 35

16.0 संकाय समाचार 36

17.0 आभार प्रदर्शन 39

18.0 बोर्ड और उप समितियाँ 39

भाग - II

लेखो पर रिपोर्ट

1. भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 54

2. वार्षिक लेखा 58

31.03.2014 को तुलनपत्र 59

31.03.2014 को समाप्त वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा 60

31.03.2014 को समाप्त अवधि/वर्ष का प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा 61

अनुसूची - 1 (आधार भूत / पूँजी निधि) 62

अनुसूची सं.1 के लिए अनुबंध 63

अनुसूची - 3 (उद्दिष्ट / धर्मस्व निधियाँ) 64

अनुसूची सं.3 के लिए अनुबंध 65

अनुसूची - 7 (चालू देयताएँ और प्रावधान) 66

अनुसूची - 8 (अचल आस्तियाँ) 67

अनुसूची - 11 (चालू आस्तियाँ, ऋण और अग्रिम) 68

अनुसूची - 12-18 (लाभ / हानि लेखा) 69

अनुसूची - 20-22 (व्यय) 70

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) 31.03.2014 को तुलन पत्र 72

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) 31.03.2014 को
समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा 73

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) 31.03.2014 को
समाप्त होनेवाले वर्ष का प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा 74

परियोजना लेखा 31.03.2014 को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए तुलन पत्र 75

परियोजना लेखा 31.03.2014 को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा...... 77

परियोजना लेखा 31.03.2014 को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए
प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा 78

अनुसूची-24 (उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ) 79

अनुसूची -25 (लेखे पर टिप्पणी) 80

उपयोग प्रमाण पत्र (गैर-योजना) - वेतन 81

उपयोग प्रमाण पत्र (गैर-योजना) - सामान्य 82

उपयोग प्रमाण पत्र (योजना) - सामान्य 83

उपयोग प्रमाण पत्र (योजना) - पूँजीगत आस्तियाँ 84

3. **भविष्य निधि लेखा** 85

भविष्य निधि लेखा 31.03.2014 को तुलन पत्र 86

भविष्य निधि लेखा 31.03.2014 को समाप्त आय-व्यय लेखा 87

भविष्य निधि लेखा 31.03.2014 को समाप्त प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा 88

1.0 प्रस्तावना

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (रा.त.शि.प्र.अ.सं.) चेन्नै भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्वायत्त संस्थान के रूप में सन् 1964 में स्थापित किया गया ताकि भारत में विशेषकर दक्षिण क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) प्रणाली की गुणता में सुधार हो। इस अधिदेश को ध्यान मे रखते हुए संस्थान समुचित विधि द्वारा आवश्यकता पर आधारित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम प्रदान करने की और पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक संसाधन विकसित करने की पहल कर रहा है। वह इंजीनियरिंग शिक्षा के अंतर्विषयी क्षेत्र में अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहन भी देता है और इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिकों, व्यावसायिक संस्थाओं, उद्योग सेवा क्षेत्र और व्यापक रूप से समुदाय के संपूर्ण विकास के लिए परामर्श एवं विस्तार सेवा प्रदान करता है।

उक्त अधिदेश के कार्यान्वयन के लिए तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में रुचि रखनेवाले और या लाभान्वित होनेवाले राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों, अभिकरणों को सहयोग देता है।

भविष्य दृष्टि

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै का भावी दृष्टिकोण यह है कि वह तकनीकी शिक्षा संस्थाओं, उद्योग और समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिगम संसाधनों, अनुसंधानात्मक अध्ययनों और विस्तार सेवाओं की योजना, अभिकल्पना, विकास कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन द्वारा तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण (टी वी ई टी) की श्रेष्ठता वर्धन में अग्रणी संस्थान के रूप में रहे।

हमारा लघु भविष्य दृष्टि कथन:

"तकनीकी शिक्षा में श्रेष्ठता को बढ़ावा देना"

मिशन

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै भारत में, खासकर दक्षिण क्षेत्र में तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) के गुणसुधार के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित एक संसाधन संगठन है।

मिशन के निम्नलिखित अंश हैं जिनके लिए संस्थान प्रतिबद्ध है:

- विभिन्न विधाओं में, जिनमें वेब आधारित विधा भी शामिल है, तकनीकी शिक्षकों के लिए उच्च गुणवत्ता, लचीला, सुसंगत तथा लागत प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- उद्योग और समुदाय की परिवर्तनशील आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए गतिशील, अग्रगण्य कार्यक्रम चलाकर नेतृत्व का प्रदर्शन करना।
- तकनीकी शिक्षकों को प्रभावशाली व सक्षम सेवा प्रदान करने के लिए मानित विश्वविद्यालय के रूप में विकसित होना।
- इंजीनियरिंग और शिक्षा की समस्याओं को अनुसंधान और विस्तार कार्यकलापों सुलझाने में सहायता देना।
- देश में तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए कटिबद्ध उद्योग प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अन्य अभिकरणों के साथ सहयोग स्थापित करना और पोषण करना।

आभ्यांतरिक मूल्य

शिक्षकों और परिणामस्वरूप छात्रों को हमारी सेवा के आभ्यंतरिक मूल्य के शीर्षक निम्न प्रकार है।

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण
- टीम कार्य
- अनवरत अधिगम के लिए कर्मचारी विकास
- खुलापन और पारदर्शिता
- अग्रगामी फोकस
- सामाजिक उत्तरदायित्व

2.0 लक्ष्य

संस्थान के लक्ष्य निम्नांकित है:

- ✓ सेवार्थी प्रणाली के अनुसार क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेक्नीको व्यावसायिक और प्रबंधन शिक्षा संस्थाओं सहित सभी संस्थाओं का समावेश करते हुए शिक्षकों को गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ सहकारी शिक्षा योजना द्वारा तकनीकी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
- ✓ तकनीकी शिक्षा प्रशिक्षण प्रणाली तथा उसके प्रबंधन के विकास के लिए अनुसंधान जानकारी प्रदान करने हेतु क्रमबद्ध अनुसंधान कार्य करना।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में शिक्षण व अध्ययन के पर्यावरण को सुधारने के लिए नवीन नवप्रवर्तित पद्धति, प्रक्रिया तथा अभ्यासों के विकास पर अनुसंधान कार्य करना और मार्गदर्शन करना।

- ✓ बहुमाध्यमिक अध्ययन सामग्री के उत्पादन के लिए नयी अनुदेशात्मक प्रणाली तथा कौशल का अभिकल्प बनाना।
- ✓ शैक्षिक व्यावसायिक संस्थाओं तथा अन्य संगठनों के लिए पाठ्यपुस्तकें, प्रयोगशाला पुस्तिका, वीडियो कार्यक्रम, कंप्यूटर पर आधारित प्रशिक्षण तथा मल्टीमीडिया पेकेजों का विकास तथा प्रसार।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों के लिए दूरस्थ शिक्षा द्वारा अत्याधुनिक प्रोद्योगिकी का प्रयोग कर कार्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों को विशेषकर सार्क व आशियान देशों की मांग के लिए उपयुक्त कार्यक्रम व पाठ्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ अध्येतावृत्ति, छात्रवृत्ति, पुरस्कार तथा पदक प्रवर्तित एवं प्रदान करना।
- ✓ समुदाय एवं उद्योग को सतत व अनौपचारिक व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन करने और विस्तार एवं परामर्श सेवा प्रदान करने के लिए सहयोग देना।
- ✓ उद्योग, तकनीकी संस्थाओं / संगठनों के लिए परामर्श और विस्तार कार्य करना।
- ✓ प्रत्येक राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भारत सरकार के अनुमोदन से विभिन्न राज्यों में संस्थान के विस्तार केंद्रों की स्थापना करना।
- ✓ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली से संबंधित भारत सरकार की सेवाओं और मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय समय पर सौंपे गए कार्यों की समर्थित सेवा प्रदान करना।
- ✓ पूर्णतः या अंशतः संस्था के समान उद्देश्य वाले विश्व के किसी भाग के शैक्षिक या अन्य शैक्षिक संस्थओं को परस्पर शिक्षकों का विनिमय तथा उनके सामान्य उद्देश्य के लिए सहायक अन्य आवश्यक कार्यक्रमों व सेवाओं का आयोजन।

3.0 2013-2014 के दौरान कार्यकलापों का केंद्रबिंदु

एक गतिशील संस्थान के रूप में अपने कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों को अति विनिर्दिष्ट रुप से समय समय पर पुनः अभिमुख किया जाता है जिससे सेवार्थी तंत्रों की बदलती मांगों की पूर्ति अग्रगामी रूप से की जा सके। 2013-2014 के दौरान संस्थान ने कार्यक्रमों, परियोजनाओं और कार्यकलापों को निम्नलिखित पाँच प्रमुख क्षेत्रों के अधीन ग्रहण किया है। यथा (i) संकाय विकास, (ii) पाठ्यचर्या परिवर्धन, (iii) अनुदेशात्मक संसाधन विकास, (iv) अनुसंधान व विकास, (v) विस्तार व परामर्श सेवाएं।

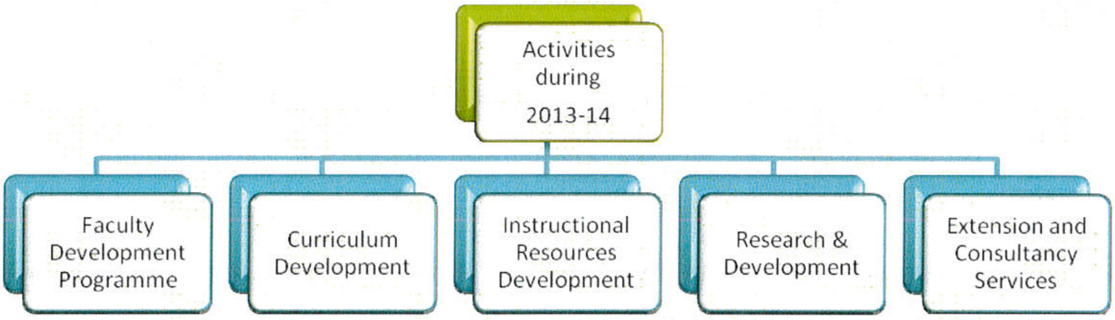

सन् 2013-2014 में निम्नलिखित कार्यकलापों पर संस्थान ने ध्यान केन्द्रीकृत किया:

1. इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिकों और उद्योग के कार्मिको और पेशेवारों को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, अनुप्रयुक्त विज्ञान, अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, प्रत्यायन, व्यूहात्मक योजना, शैक्षिक प्रबंधन, संस्थागत विकास, मानव संसाधन विकास, पाठ्यचर्या विकास और उद्यमवृत्ति विकास जैसे क्षेत्रों में अल्पावधि पाठ्यक्रम द्वारा प्रशिक्षण देना।
2. तकनीकी संस्थाओं के संकाय सदस्यों के लिए बुनियादी एवं उच्च स्तरीय शिक्षा शास्त्र के क्षेत्र में वेब आधारित प्रशिक्षण।
3. शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए संगोष्ठियाँ चलाना।
4. इंजीनियरी कालेजों, पॉलिटेकनिकों के शिक्षकों और उद्योग के कार्मिकों को अंत: शास्त्रीय अनुसंधान कार्यों द्वारा अनुसंधान क्षमता बढ़ाना जिससे उनको पी एच डी उपाधि मिले।
5. एम.टेक. (मा सं वि) जैसे दीर्घकालीन कार्यक्रमों द्वारा इंजीनियरींग कालेजों, पॉलिटेकनिकों और अन्य संस्थाओं के शिक्षकों को प्रशिक्षण देना।
6. विदेशी प्रतिभागियों को विशेष रूप से अभिकल्पित कार्यक्रमों द्वारा विशेषज्ञ मत प्रदान करना।
7. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्याओं का विकास और वर्तमान के पाठ्यचर्याओं का पुनरीक्षण।
8. पॉलिटकेनीक और इंजीनियरिंग कॉलेज की पाठ्यचर्या के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण संसाधनों (सामग्री व माध्यम) का विकास।
9. तकनीकी शिक्षा प्रणाली के लिए संगत अनुसंधान व विकास परियोजनाओं का उत्तरदायित्व लेना।
10. तकनीकी शिक्षको और उद्योग के पेशेवरों के प्रशिक्षण के किए आभासी अधिगम कार्यक्रम विकसित करना और प्रदान करना।

11. निम्नलिखित योजनाओं / परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और परिवीक्षण के लिए विस्तार व परामर्श सेवायें प्रदान करना।

अ. पॉलिटेकनिक के जरिए सामुदायिक विकास योजना

आ. पालिटेकनिक के लिए उप मिशन

- वर्तमान पालिटेकनीकों को समर्थ बनाना
- महिला छात्रावास निर्माण
- नए पालिटेकनीक स्थापित करना

इ. विकलांगों के लिए परियोजना

ई. राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन

उ. आई सी टी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन

ऊ. शिक्षकों और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन

ऋ. प्रत्यायन और नए पालिटेकनीकों के अनुमोदन को सुकर बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति का निरीक्षण

ए. इंजीनियरिंग / प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में तकनीकी और परामर्श सेवा।

ऐ. उद्योगों, सरकारी विभागों और सेवा संगठनों के लिए आवश्यकता पर आधारित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम और परियोजनाएँ।

4.0 संकाय विकास कार्यक्रम

इंजिनीयरिंग कालेजों तथा पॉलिटेकनीक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम ही संस्थान का प्रमुख कार्यक्षेत्र है। इसे ध्यान में रखते हुए संस्थान में पालिटेकनीकों, इंजीनियरिंग कालेजों तथा विदेशी शिक्षकों के लिए उनके अपने खास कार्यक्षेत्र में प्रवीणता हासिल करने योग्य विविध अल्पावधि व दीर्घावधि कार्यक्रमों की योजना बनाई गई और संचालन किया गया।

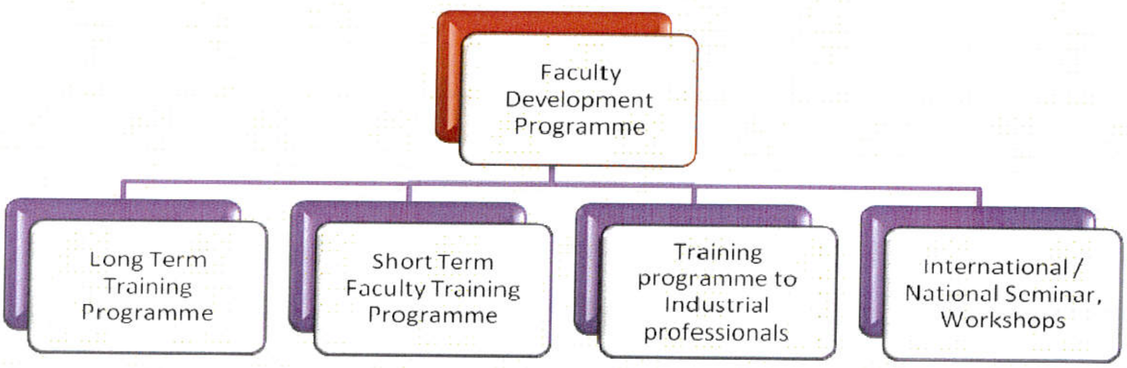

4.1 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

अ) डाक्टर की उपाधि संबंधी अनुसंधान कार्यक्रम

संस्था ने शिक्षा अनुसंधान कार्यक्रम के विकास के लिए अपना प्रबल प्रयास जारी रखा और साथ ही इंजीनियरी शिक्षा (अंतः शास्त्रीय) क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने के लिए उद्योगों और अन्य शिक्षा क्षेत्रों के तकनीकी शिक्षकों और कार्मिकों को प्रोत्साहित किया। इस संस्थान को मद्रास विश्वविद्यालय और अण्णा यूनिवर्सिटी, चेन्नई ने मान्यता प्राप्त डॉक्टरल अनुसंधान केंद्र माना है।

आज तक कुल 46 छात्र संस्था के पी एच डी कार्यक्रम में पंजीकृत हुए हैं। निम्नलिखित तीन अनुसंधान विद्वानों को इस वर्ष के दौरान मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग शिक्षा में पी एच डी की उपाधि प्रदान की गई।

सारणी 1 प्रदत्त पी हेच.डी. डिग्री के विवरण

क्रम. सं.	नाम और उम्मीदवार का संस्थागत संबंधन	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक	डिग्री पाने की तिथि
1.	श्री एम. शिवशक्ति पूर्णकालिक अनुसंधान छात्र शिक्षा विभाग, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई - ११३	कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग छात्रों के लिए जावा का उपयोग करते हुए OOPS के समवर्ती क्रमादेशन में अधिगम कठिनाइयों का अध्ययन	डॉ. आर. राजेंद्रन सह आचार्य शिक्षा विभाग	03.05.2013
2.	कु. एल.एम. जेनीला लिविंग्स्टन पूर्णकालिक अनुसंधान छात्र नीति योजना और शैक्षिक अनुसंधान विभाग, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई - ११३	आंकडा संरचना में युग्मबंधित सूचियों के कार्यान्वयन पर वेब आधारित निदानात्मक परीक्षण का विकास और मान्यकरण	डॉ. डी. बृहदीश्वरन, भूतपूर्व प्रोफेसर और नीति योजना और शैक्षिक अनुसंधान विभाग के विभागाध्यक्ष	15.05.2013
3.	श्री एस. उदय कुमार कम्प्यूटर क्रमादेशक पाठ्यचार्या विकास केंद्र, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई - ११३	आँध्रप्रदेश के पालिटेकनीक कालेजों में ई-लेसन के कार्यान्वयन का अध्ययन	डॉ. बी.जी. बर्की, भूतपूर्व प्रोफेसर और शिक्षा के विभागाध्यक्ष	07.06.2013

कुल 59 छात्रों को पी.हेच डी उपाधि दी गई है।

पी हेच.डी. प्रगति समीक्षा बैठकें

प्रति छह महीने में एक बार पी हेच.डी. छात्रों की प्रगति की निगरानी करने के लिए समीक्षा बैठकों चलाने की प्रणाली वर्ष २००९ को प्रारंभ की गई। इस पहल का उद्देश्य निर्माणात्मक मूल्यांकन और रचनात्मक, प्रतिपुष्टि के जरिए अनुसंधान कार्य की गुणता बढ़ाना है। वर्ष के दौरान पुनरीक्षण

समिति ने २५ अप्रैल - ३ मई २०१३ को आठवीं प्रगति पुनरीक्षण बैठकों का आयोजन किया। कुल 29 शोध छात्रों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया और उपयोगी प्रतिपुष्टि और सुझाव प्राप्त किए।

आ) एम. टेक (मानव संसाधन विकास) कार्यक्रम

चार सत्रों वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सक्षम संसाधन विकास कर्ताओं को उत्पन्न करना। इस वर्ष के दौरान एम.टेक (मा.सं.वि.) प्रणालियों में अद्यतन प्रवृत्तियों के अनुरूप मा.सं.वि. पाठ्यचार्य का पुनरीक्षण किया गया।

प्रबंधन सिद्धांत, संगठनात्मक व्यवहार, औद्योगिक समाज विज्ञान, उद्योग में मनो विज्ञान, मा.सं.वि. में अनुसंधान प्रणाली विज्ञान, मा.सं.वि. के लिए सूचना प्रोद्योगिकी, संगठनात्मक विकास, मानव संसाधन प्रबंधन में विधिक पहलू मानव संसाधन, मानव संसाधन प्रबंधन, मृदु कौशल १ और २, मानव संसाधन विकास, अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन प्रशिक्षण और विकास और वित्तीय प्रबंधन इस कार्यक्रम के अंतर्गत आते हैं। छात्रों को अनेक वैकल्पि विषय प्रदान किए गए है यथा संस्थागत मूल्याकन और विकास, प्रबंधन सूचना प्रणाली, मा.सं.वि. के लिए वीडियो कार्यक्रमों की योजना और निष्पदान, परियोजना प्रबंधन, विपणन प्रबंधन, उद्यम संसाधन योजना निष्पादन प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन और समग्र गुणता प्रबंधन। अनिवार्य अपेक्षा के रूप में शिशिक्षु अध्यापक शामिल किया गया है और द्वितीय सत्र के ग्रीष्मावकाश में कार्यान्वित किया जाना है।

इस वर्ष के दौरान ३ उम्मीदवारों एम.टेक (मा.सं.वि.) के कार्यक्रम के नवें बैच में शामिल हुए।

इ) समुद्रपार प्रशिक्षार्थी पाठ्यक्रम

वर्ष २०१३-१४ के दौरान संस्थान ने आई टी ई सी कार्यक्रम और उसका उप निगमन स्काप (विशेष राष्ट्र मंडल अफ्रीका सहायता कार्यक्रम) के तहत समुद्रपार प्रतिभागियों के लिए आठ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। एशिया, पूर्व यूरोप (पूर्व यू.एस.एस.आर. सहित), मध्य एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका, करीबियन, पैसफिक और छोटे द्वीप देशों के १५८ देशों से असैनिक व्यक्तियों के प्रशिक्षण के

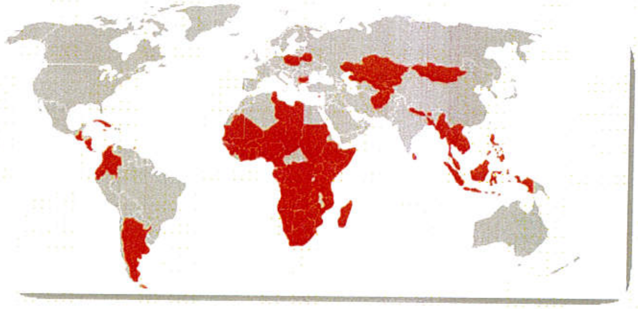

लिए भारत सरकार से पूरी निधि प्राप्त है। पिछले ३२ वर्षों से आई टी ई सी के अधीन में रा त शि प्र अ सं., चेन्नई विशेष अभिकल्पित प्रशिक्षण कार्यक्रम सक्रिय रूप से चलाने में लगा है। रा त शि प्र अ सं., चेन्नई द्वारा प्रदत्त सक्षमता और सेवा में अन्य देशों में अधिक दृश्यता और बढ़ती अभिज्ञा उत्पन्न हो गई है। इन वर्षों के विदेश मंत्रालय के तकनीकी और आर्थिक सहायता कार्यक्रमों ने विकासशील देशों में सर्वाधिक सद्भावना और यथेष्ट सहयोग उत्पन्न किया है। अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र विषय समन्वयकों के साथ कार्यक्रम का समन्वय करता है।

सारणी 2: 2013-14 के दौरान अष्ट सप्ताही ओ टी सी कार्यक्रम

पाठ्यक्रम	विषय समन्वयक
पाठ्यचर्या अभिकल्पन और अनुदेशात्मक सामग्री विकास	डॉ. एस. धनपाल
संधारणीय विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन	डॉ. एस. मोहन तथा डॉ. जी. जनार्दनन
वैश्विक संवृद्धि पूरा करने के लिए तकनीकी शिक्षा का विकास करना	डॉ. एस. मोहन तथा डॉ. जी. कुलन्दैवेल
तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तीकरण	डॉ. एस. रेणुकादेवी
आधुनिक पुस्तकालय पद्धति	डॉ. आर. रविचंद्रन
जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला विधि	डॉ. जी. जनार्दनन
शिक्षा प्रशिक्षण में सूचना और संचार	डॉ. वी. षण्मुगनीति

सारणी 3: राष्ट्र द्वारा नामांकन: 2013-14

देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या	देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या	देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या
अफगानिस्तान	10	लेसोथो	1	सियारा लिओन	1
बांग्लादेश	5	मेडागास्कर	1	श्रीलंका	4
भूटान	2	मलावी	1	दक्षिण सूडान	2
बोत्सवाना	1	मॉरीशस	5	सूडान	1
बरुंडी	3	मंगोलिया	1	सीरिया	2
कम्बोडिया	2	म्यान्मार	7	तंजानिया	11
क्यूबा	1	नांबिया	1	युगाण्डा	4
मिस्र	6	नाइजीरिया	8	उज्बेकिस्तान	4
ईथोपिया	6	फिलिस्तीन	1	वियतनाम	6
घाना	8	पापुआ न्यूगिनी	1	यमन	1
इण्डोनेशिया	4	पेरु	1	ज़ाम्बिया	4
केन्या	1	फिलीपीन्स	7		
लाओस	1	पोलैंड	1		
				कुल उम्मीदवार	**126**

i. "पाठ्यचर्या आयोजन और अनुदेशात्मक सामग्री विकास" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है पाठ्यचर्या अभिकल्प के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करना और समुचित अनुदेशात्मक सामग्री का विकास करना। इस पाठ्यक्रम के ३२वें बैच का संचालन इस संस्थान के पाठ्यचर्या विकास केंद्र द्वारा ३१ जुलाई से २४ सितंबर २०१३ तक किया गया। छह देशों से आठ उम्मीदवारों ने कार्यक्रम में भाग लिया; यथा- ईथोपिया, घाना, लाओस, तंजानिया, उज्बेकिस्तान, और वियतनाम। अब तक संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ५६६ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

ii. "संधारणीय विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सकरात्मक समाजगत सूचना और संधारणीय भविष्य के लिए अपेक्षित मूल्यों, व्यवहारों और जीवन शैलियों को मन में बैठाना है। योग्यता प्रदायक लक्ष्य हैं:

अ. संघारणीय पर्यावरणीय विकास और सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं परस्पर संबंध को समझने के लिए विधियों और अभिगमों का बोध उत्पन्न कराना।

आ. पर्यावरण पर विकासात्मक परियोजना के प्रभाव के मूल्यांकन की विधि प्रदान करना और उचित सुधारात्मक उपाय सुझाना।

इ. संघारणीय विकास के लिए शिक्षा में शिक्षण और अधिगम की वर्धित गुणवत्ता को बढ़ावा देना।

इस पाठ्यक्रम का चौथा बैच पर्यावरण प्रबंधन केंद्र

ने २ अक्तूर से २६ नवंबर २०१३ तक संचालन किया। १४ देशों के सोलह प्रतिभागियों ने भाग लिया; यथा- बरुंडी, मिस्र, ईथोपिया, घाना, इण्डोनेशिया, लेसोथो, मलावी, मॉरीशस, पेरु, श्रीलंका, सीरिया, तंजानिया, वियतनाम और ज़ाम्बिया।

अब तक (चौथा बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ७९ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

iii. वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तकनीकी शिक्षा के विकास पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र ने २ अक्टूबर से २६ नवंबर २०१३ तक तृतीय बैच का आयोजन किया। १४ देशों से छब्बीस प्रतिभागियों ने भाग लिया; यथा- अफगानिस्तान, कम्बोडिया, ईथोपिया, इण्डोनेशिया, केन्या, मॉरीशस, म्यान्मार, फिलीपीन्स, श्रीलंका, तंजानिया, युगाण्डा, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और ज़ाम्बिया। इस कार्यक्रम का मुख्य केन्द्र बिंदु कौशल कामगारों से लेकर इंजीनियरों / प्रोद्योगिकों / प्रबंधकों तक विकासशील उद्योगों की मानव संसाधन आवश्यकतों का मूल्यांकन करना था। सार्वजनिक निजी प्रतिभाग के माध्यम से समर्थकों के प्रतिभाग और दिशा निर्देश द्वारा से तकनीकी शिक्षा संस्थानो के गठन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विकास पर परिणाम केंद्रित रहा। अब तक (तृतीय बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ५९ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

iv. आधुनिक पुस्तकालय पद्धति पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सू प्रो. ज्ञान आधारित ई एक्सस की सुविधा प्रदान करने के लिए सक्षमता का विकास करना तथा पुस्तकालय प्रक्रिया को सरल और कारगर बनाना, उपयोगकर्ताओं में पढ़ने की अभिरुचि को प्रोत्साहित करना और बढ़ाना - संग्रह, सेवाएँ और सुविधाएँ संचालित और विकसित करना। इस पाठ्यक्रम का संचालन इस संस्थान के संसाधन केंद्र द्वारा ४ दिसंबर

२०१३ से २८ जनवरी २०१४ तक किया गया। १४ देशों से तेईस प्रतिभागी इस पाठ्यक्रम में उपस्थित रहे यथा- अफगानिस्तान, बांग्लादेश, बोत्सवाना, कम्बोडिया, ईथोपिया, घाना, म्यान्मार, नाइजीरिया, फिलिस्तीन, फिलीपीन्स, सूडान, तंजानिया, वियतनाम और ज़ाम्बिया अब तक (छठे बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल १३४ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

v. **"तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" पर उच्चस्तरिय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**

इस कार्यक्रम का स्त्रियों में सही रूप से अपने अपने देशों में स्त्री सशक्तिकरण बढ़ाने में सही रण नीति को अपनाने के लिए तथा अपने देश में इसी रण नीति का उपयोग करने के लिए अभिकल्प तैयार किया गया। इसके सातवें बैच का संचालन इस संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा ४ दिसंबर २०१३ - २८ जनवरी २०१४ तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में कुल १३ अभ्यर्थियों ने ग्यारह देशों से भाग लिया; यथा- अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, बरुंडी, तंजानिया, घाना, मेडागास्कर, मॉरीशस, नांबिया, नाइजीरिया और फिलीपीन्स। अब तक (सातवें बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ७८ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

vi. **"जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला विधि" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है उन्नत निगरानी, अच्छी प्रयोगशाला अभ्यास तकनीक, प्रभावी प्रयोग और विधिक प्रवर्तन और संस्थागत व्यवस्था के जरिए जल गुणवत्ता के क्षेत्र में नव प्रवर्तनकारी और अनुक्रियात्मक विकास प्रदान करना। इस पाठ्यक्रम का चौथा बैच संस्थान के पर्यावारण प्रबंधन केंद्र ४ फरवरी से ३१ मार्च २०१४ तक चलाया गया। १४ देशों के इक्कीस प्रत्यशियों ने भाग लिया; यथा - अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मिस्त्र, मंगोलिया, म्यान्मार, नांबिया, नाइजीरिया, पापुआ-न्यूगिनी, दक्षिण सूडान, तंजानिया, युगाण्डा, वियतनाम और ज़ाम्बिया। इस पाठ्यक्रम को १२ पाठ्यचर्या

माड्यूल वाली तीन प्रमुख इकाइयों में संरचित किया गया। पूर्व स्थित संबंधित पाठ्यक्रमों में (पाठ्य और भाषण टिप्पणी आधारित क्षेत्र) और प्रयोगशाला का संयोजित भाषणों के साथ यह पाठ्यक्रम उचित मिश्रण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम ने संसाधन विकास, प्रभाव और प्रबंधन के माध्यम से विषय का समन्वेषण किया। अब तक (चौथा बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ५५ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

vii. शिक्षा और प्रशिक्षण में सूचना और संचार प्रोद्योगिकी पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का प्रथम बैच शिक्षा प्रोद्योगिकी और मल्टीमीडिया केंद्र द्वारा ४ फरवरी से ३१ मार्च २०१४ तक चलाया गया। १२ देशों से सोलह प्रतिभागियों ने भाग लिया; यथा- बरुंडी, क्यूबा, मिस्त्र, घाना, इण्डोनेशिया, मॉरीशस, म्यान्मार, नाइजीरिया, फिलीपीन्स, पोलैंड,सियारा लिओन और यमन। शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम में सूचना और संचार प्रोद्योगिकी (आई सी टी) अधिगम, ई-कन्टेन्ट विकास, प्रदान को प्रोद्योगिकी को एकीकृत होने देती है और प्रोद्योगिकी एकीकरण में नेतृत्व प्रदान करती है। कार्यक्रम के लक्ष्य प्रशिक्षण और प्रशासन के क्षेत्र में सू.प्रो. अनुप्रयोग की संकल्पना को समझना, आंकडा संचय प्रबंध पद्धति का पर्याप्त ज्ञान प्रदान करना, ई-लर्निंग प्रोद्योगिकियों के उपयोग का महत्व समझना अधिगम प्रबंधन पद्धति (एल एम एस) के सिद्धांतों को समझना और सूचना सुरक्षा और सूचना प्रतिनयन है।

समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रम के मुख्य कार्यक्रम

→ भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग योजना (ITEC) और विदेश मंत्रालय के विशेष राष्ट्रमंडल आफ्रिका सहायता कार्यक्रम (SCAPP) और भारत सरकार के वित्त मंत्रलाय की कोल्म्बो योजना की तकनीकी निगम योजना (TCS) द्वारा ऊपर उल्लिखित सात पाठ्यक्रमों के लिए प्रतिभागियों की प्रतिनियुक्ति की गई।

→ इस कार्यक्रम में ३७ देशों से कुल १२६ व्यक्तियों ने (शिक्षक व प्रशासकगण) इस कार्यक्रम में भाग लिया।

→ एसडीईएम पाठ्यक्रम में प्रतिभागी गाँव में ठहरते है और संघाराणीयता और सहम्राब्द संवृद्धि विकास लक्ष्य में हुई प्रगति से अवगत होते हैं।

→ संगोष्ठियों व व्यक्तिगत परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनीव्यक्तिगत प्रस्तुती पेश की।

→ इस यात्रा के दौरान प्रतिभागी भारत की संस्कृति तथा परंपरा से परिचित हुए।

→ उनके द्वारा दी गई प्रतिपुष्टि में उन्होंने बताया है कि उनको जो प्रशिक्षण दिया गया वह अत्यंत प्रभावोत्पादक एवं लाभदायक रहा है।

→ भारत का संभार तंत्र तथा भारत में ठहरने में उनका अनुभव हर्षदायक रहा है।

→ उन्होंने आश्वासन दिया है, कि वापस जाने पर जो क्षमता उन्होंने अर्जित की है उसका स्वदेश में अपने काम में पूरा-पूरा उपयोग करेंगे।

4.2 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

अ) पॉलिटेकनिक कालेज कार्यक्रम

इस संस्थान ने भारत सरकार की 'योजना गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम' (QIP) का कार्यान्वयन जारी रखा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यही है कि अपेक्षकृत कम समय में अधिक संख्या में एक से दो सप्ताहों के अंतर्गत लघुअवधि कर्मचारी विकास पाठ्यक्रम द्वारा अधिक संख्या में शिक्षकों की योग्यता बढाना। अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों का ज्ञान बढ़ाने और अद्यतन प्रोद्योगिकी से परिचित कराने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक से दो सप्ताहों की अवधि के लिए प्रशिक्षण-पुन: प्रशिक्षण के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का लगातार पुनरीक्षण, संशोधन, पुन: अभिकल्पन किया जाता है ताकि शिक्षिकों की सदा विकास शील एवं परिवर्ती आवश्यकता की पूर्ति हो सके।

प्रत्येक दक्षिण राज्य के पॉलिटेकनिक के शिक्षकों की विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को यथा अनुकूलित कार्यशालाओं के जरिए पहचाना गया। प्रत्येक राज्य एक के हिसाब से ऐसी चार

कार्यशालएँ चलाई गई। इन पाठ्यक्रमों के विवरण, समयावधि, स्थान आदि का निर्णय कार्यक्रम विकास समिति बैठक में लिया गया जिसमें तकनीकी शिक्षा निदेशालय के प्रतिनिधियों तथा चयनित पालिटेकनीक्स के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया था। इस बैठक से यह सुनिश्चित किया गया कि ऐसे नियोजित अभिकल्पित और संचालित कार्यक्रम शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकता पूरा कर सके। ये कर्मचारी विकास पाठ्यक्रम संस्थान, उसके विस्तार केंद्रों तथा चयनित पालिटेकनिक्स में आयोजित किए गए। उद्योगों और आई आई टी जैसे प्रसिद्ध संस्था के विशेषज्ञों, सी एस आई आर प्रयोगशालाओं की प्रतिभागिता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभावात्मकता बढ़ा दी। अधिकतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उद्योग केंद्रों में जाना एक अनिवार्य अंग रहा।

इस वर्ष निम्न विषयों से संबंधित पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी में विषय वस्तु को अद्यतन बनाना
- अनुदेशात्मक अभिकल्पना और प्रस्तुति प्रणाली (मूल भूत एवं उच्चस्तरीय शिक्षा शास्त्र)
- छात्रों के निष्पादन का मूल्यांकन
- विद्यार्थी सेवाएँ
- मार्गदर्शन एवं परामर्श देना
- तनाव प्रबंधन
- प्रोद्योगिकी समर्थित शिक्षण और अध्ययन
- पुस्तकालय स्वचलीकरण

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान इस क्षेत्र का निष्पादन बहुत प्रभावी रहा है। इसके अंतर्गत ९६ पाठ्यक्रम को चलाये गये तथा कुल **1893** अभ्यर्थियों ने पालिटेकनीक से भाग लिया (पुरुष: **1353**, स्त्री: **540**) थे। इस प्रकार अब तक **3594 पाठ्यक्रमों** के माध्यम से **67,125 शिक्षक प्रशिक्षित** हुए हैं।

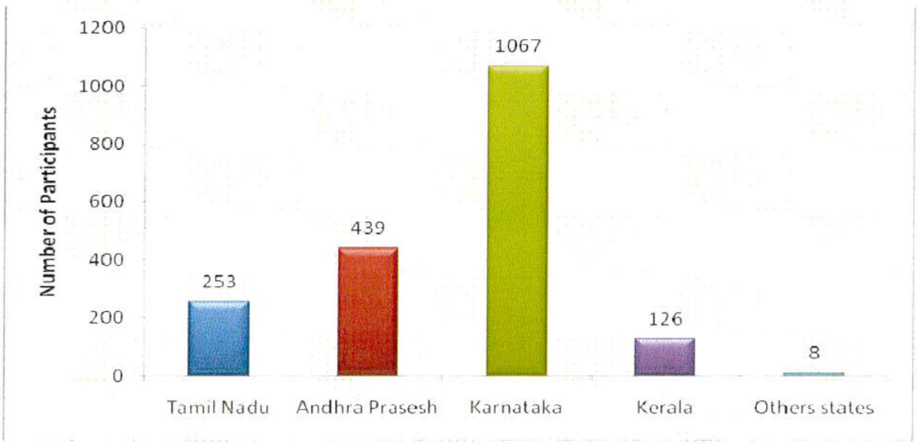

वर्ष 2013-14 के दौरान प्रशिक्षित संकाय संख्या

आ) पॉलिटेकनिक कालेज कार्यक्रम-वेब कैस्ट प्रणाली

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षकों और शिक्षण मिशन की पहल की है। मिशन शिक्षक योग्यता, शिक्षा शास्त्रीय कौशल, संचार कौशल, प्रोद्योगिकी समर्थित शिक्षण, शिक्षक अनुपस्थिति और उत्तरदायित्व, सतत प्रशिक्षण और पुनः प्रशिक्षण सेवा पूर्व और सेवा में प्रशिक्षण, शैक्षिक वृद्धि और विश्वविद्यालयी और इंजीनियरिंग/तकनीकी शिक्षकों का विकास आदि में विकास के लिए क्षमता निर्माण से संबंधित समस्याओं पर ध्यान देता है। मिशन शिक्षक शिक्षा पर संपूर्ण दृष्टि प्रदान करता है और सभी स्तरों पर संस्थागत व्यवस्था को सबल बनाने का सुझाव देता है। इस मिशन के अधीन एन आई टी टी टी आर प्रवेश प्रशिक्षण में अग्रणी भूमिका निभाते है और इस मिशन को सर्वाधिक सफल और उपयोगी बनाने के लिए पॉलिटेकनीक और इंजीनियरिंग कालेजों के तकनीकी शिक्षकों को सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करते है। मिशन के अंश के रूप में मा.सं.वि.मं. भारत सरकार का लक्ष्य है चालू शिक्षा शास्त्रीय पद्धति पर वर्तमान योजना की अवधि में प्रत्येक पॉलिटेकनीक के शिक्षक को प्रशिक्षित करना और उत्कृष्ट तकनीशियन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वर्तमान शिक्षण अध्ययन प्रक्रिया की माँग को पूरा करने की क्षमता उन्हें प्रदान करना। प्रशिक्षण कार्यक्रम के वेब कैस्टिंग के लिए पर्याप्त सुविधाओं के साथ एन आई टी टी आर, चेन्नई ने वेबकैस्ट स्टूडियो विकसित किया है। समय सारणी के अनुसार व्याख्यान प्रसारित किए जाते हैं और प्राधिकृत नोडल केंद्र व्याख्यान और चर्चा सत्र को प्रसारित कर सकते है। मा.सं.वि.मं. द्वारा शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने के लिए संकाय सदस्यों को शिक्षा शास्त्रीय प्रशिक्षण देने के महान कार्य के लिए एन आई टी टी आरों को चुना गया है। अब तक वेब आधारित आई डी डी एस कार्यक्रम का आठ बैच चलाया गया।

सारणी 4 : पालिटेकनीक पाठ्यक्रमों में नामांकन : 2013-14

क्रम. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
एन आई टी टी टी आर परिसर		
1.	आंकड़ा संचार और जालक्रमज	5
2.	अंत:स्थापित तंत्र-8051 सूक्ष्म नियंत्रक और एलपीसी 2148 एआरएम नियंत्रक	29
3.	मदु कौशल	14
4.	सी एन सी मशीन	19
5.	वीवी.नेट	19

क्रम. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
6.	मल्टीमीडिया अधिगम	11
7.	परिपथ अनुकृति और पीसीबी डिज़ाइन लैब (मल्टीसिम का उपयोग करते हुए)	24
8.	पर्यावरणीय इंजीनियरिंग प्रयोगशाला पद्धतियाँ	17
9.	भा.मा. 800 -2007 के अनुसार इस्पात संरचना की सीमा स्थिति अभिकल्पना	19
10.	ऑरकिल और वीबी.नेट का उपयोग करते हुए आंकड़ा से चय का अनुप्रयोग	30
11.	पावर इलेक्ट्रानिक्स और इलेक्ट्रिकल ड्राइव्स	17
12.	उद्योग में पूर्ण गुणता पद्धति	9
13.	अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत	15
14.	टोटल स्टेशन और जीपीएस का उपयोग करते हुए सर्वेक्षण करना	12
15.	अनुसंधान प्रणाली विज्ञान	14
16.	एक्सएमएल और वेब सेवाएँ	15
17.	ई-कन्टेन्ट प्रकाशन	25
18.	विनिर्माण तकनीकों में प्रगति	9
19.	वस्तु परीक्षण प्रयोगशाला नियम पुस्तिका की तैयार पर कार्यशाला	23
20.	अनुदेशात्मक आलेखीय अभिकल्पना	27
21.	उच्च स्तरीय संचार प्रणाली	17
22.	मागदर्शन और परामर्श	31
23.	संरचनाओं की मरम्मत और नवीयन	20
24.	आटोमोबाइल प्रोद्योगिकी में आधुनिक प्रवृत्तियाँ	22
25.	भूतकनीकी इंजीनियरिंग	8
26.	उद्योग में पूर्ण गुणता प्रणाली	23
27.	संचार कौशल	26
28.	रेविट वास्तुकला का उपयोग करते हुए सूचना प्रतिरुपण निर्माण	22
29.	C क्रमादेश भाषा का उपयोग करते हुए आंकडा संरचना	16
30.	कम्प्यूटर समर्थित आलेखन एवं प्रारूपण	10
31.	वेल्डन और विनिर्माण में प्रगति	19
32.	ए आर एम नियंत्रक	19
33.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	9
34.	उद्योग पूर्ण गुणता प्रणाली	13
35.	निर्माण तकनीक और परियोजना प्रवंधन	15
36.	ई-कन्टेन्ट के लिए मूल्यांकन मद तैयार करना	14
37.	प्रयोगशाला समीक्षा कार्यक्रम	20
38.	शहर और शहरी विकास में नवीनतम प्रवृत्तियाँ	11
39.	टोटल और जीपीएस का उपयोग करते हुए सर्वेक्षण	13
40.	8086 क्रमादेशन और उच्च स्तरीय सूक्ष्म संसाधित्र	13

क्रम. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
41.	पौधा घर संकल्पना और स्थायी विकास	6
42.	रेफ्रिजिरेशन और वातानुकूलन	3
43.	ई-कन्टेन्ट और अधिगम धन तंत्र	8
44.	वैद्युत सीएडी	8
45.	इंजीनियरी शिक्षा में अनुसंधान प्रणाली विज्ञान	9
46.	पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन	10
47.	कम्प्यूटर समर्थित विनिर्माण और माप पद्धति	6
48.	पावर इलेक्ट्रानिक्स	9
49.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगीहति	11
50.	शिक्षा में सामाजिक मीडिया	16
51.	ऑरकैड-प्रग्रहण, अनुकरण और पीसीवी विन्यास	15
52.	अनुदेशात्मक श्रव्य अभिकल्पना	3
53.	अविनाशक परीक्षण और अपारंपरिक मशीन	4
54.	मेटलेब और लैव व्यू का प्रयोग करते हुए अनुकरण और आरेखीय प्रणाली अभिकल्पना	18
55.	वेव प्रोग्रामिंग	12
56.	मृदु कौशल	22
57.	वेव प्रोग्रामिंग (वाणिज्यिक पद्धति)	13
58.	रेविट वास्तुकला का उपयोग करते हुए रचना प्रतिरुपण निर्माण	9
59.	विशेष वैद्युत मशीन और नियंत्रण	21
60.	कम्प्यूटर विज्ञान और संवंद्ध शाखाओं के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीड़ियों फ्लिम निर्माण	12
61.	रोवोटिक्स और मेकाट्रानिक्स औथोगिक स्वचदन के लिए	35
62.	संरचनात्मक इंजीनियरिंग में कम्प्यूटर का प्रयोग	25
63.	जैव चिकित्सा इलेक्ट्रानिक्स और टेलीमेडिसिन	15
64.	आई.एस. 800 -2007 के अनुसार इस्पात संरचनाओं का लिमिट स्टेट डिजाइन	16
65.	छात्र मार्गदर्शन और परामर्श	9
66.	संस्थागत आवश्यकताओं के लिए ई-गवर्नन्स का कार्यान्वयन	10
67.	जावा का उपयोग करते हुए वस्तुनिष्ठ क्रमादेशन	29
68.	आर सी संरचनाओं का लिमिट स्टेट डिजाइन	12
69.	उपग्रह और तंतु प्रकाशिक संचार	25
70.	तकनीकी शिक्षा में लिंग समस्या	25
71.	भूकंप प्रतिरोधक संरचनाओं की अभिकल्पना	15
72.	तापन संवातन और वातानुकूलन	33
73.	अनुकृति और अभिकल्पना के लिए मेटलैव	36
74.	छात्र मूल्यांकन	43
75.	पर्यावरणीय और प्रदूषण नियंत्रण - हसत तैयारी पर कार्यशाला	7

क्रम. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
76.	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड - जेएसएस पालिटेकनीकी फार विमन, मैसूर	20
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड - बीवीवीएस सहायता प्राप्त पालिटेकनीकी, बागलकोट	37
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड - एस जे सरकारी पालिटेकनीक, बैंगलूर	26
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड - के हेच के सहायता प्राप्त पालिटेकनीक, धारवाड़	25
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड – सरकारी कर्नाटक पालिटेकनीक, मंगलूर	22
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड – सरकारी डी आर आर पालिटेकनीक, दवनगिरे	26
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड – सरकारी पालीटेकनीक, राइचूर	27
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड – सरकारी पालीटेकनीक, बेलगाम	22
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड - सरकारी पालीटेकनीक, चिंतामणि	20
	आईडीडीएस, वेब केस्ट मोड - एसएनएम पालीटेकनीक, मुडिविद्रे	29
77.	पवन ओर सौर्य ऊर्जा के लिए वैद्युत प्रणालियाँ	14
78.	जल गुणता आँकडा विश्लेषण और व्याख्या	13
79.	कार्यालय स्वचालन	10
80.	उद्योग में पूर्ण गुणता पद्धति	10
81.	नेटवर्क प्रोग्रामिंग	20
82.	कम्प्यूटर समर्थित अभिकल्पना और विनिर्माण	15
83.	पीएलसी पर आधारिक पाठ्यक्रम	15
84.	मार्गदर्शन और परामर्श	30
85.	पीएसलसी पर उच्चस्तरीय पाठ्यक्रम	16
86.	ऊच्मोपचार और वेल्डन में, प्रगति	17
एन आई टी टी आर - विस्तार केंद्र - हैदराबाद		
87.	नए भर्ती किए शिक्षकों के लिए परिचय कार्यक्रम	33
88.	प्रकाशिकतंतु संचार	20
89.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण पर कार्याशाला (सी.ई. और आर्कि के लिए)	25
90.	नए भर्ती किए शिक्षकों के लिए परिचय कार्यक्रम	23
91.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण पर कार्याशाला (ईसी और ईई के लिए)	28
92.	नए भर्ती किए शिक्षकों के लिए परिचय कार्यक्रम	24
93.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण पर कार्याशाला (एम.ई. और ऑटो के लिए)	27
एन आई टी टी आर - विस्तार केंद्र - कलमसेरी		
94.	हीट इंजन प्रयोगशाला	23
95.	फलूईड मैकानिक्स और न्यूमेटिक्स	14
96.	रेफ्रिजेशन और वातानूकूलन	18
	Total	1893

इ) इंजीनियरिंग कालेज कार्यक्रम

इस संस्थान ने इंजिनीयरिंग कॉलेज के शिक्षकों के प्रशिक्षण द्वारा इंजीनीयरिंग कॉलेजों में शिक्षा की गुणवत्ता की वृद्धि के लिए अपने क्रिया कलापों को केंद्रित किया। इस योजना के अंतर्गत **16** लघु अवधि पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें कुल **702** प्रतिभागियों ने (पुरुषः 376, स्त्रीः 326) भाग लिया। प्रशिक्षण मूल रूप से कक्षा इंजीनियरिंग के लिए औजार किट के रुप में ध्यान केंद्रित करता है। इस शिक्षा वर्ष में कार्यक्रम की प्रभावान्मकता को मापने के लिए ऑनलाइन मूल्यांकन भी प्रारंभ किया गया है।

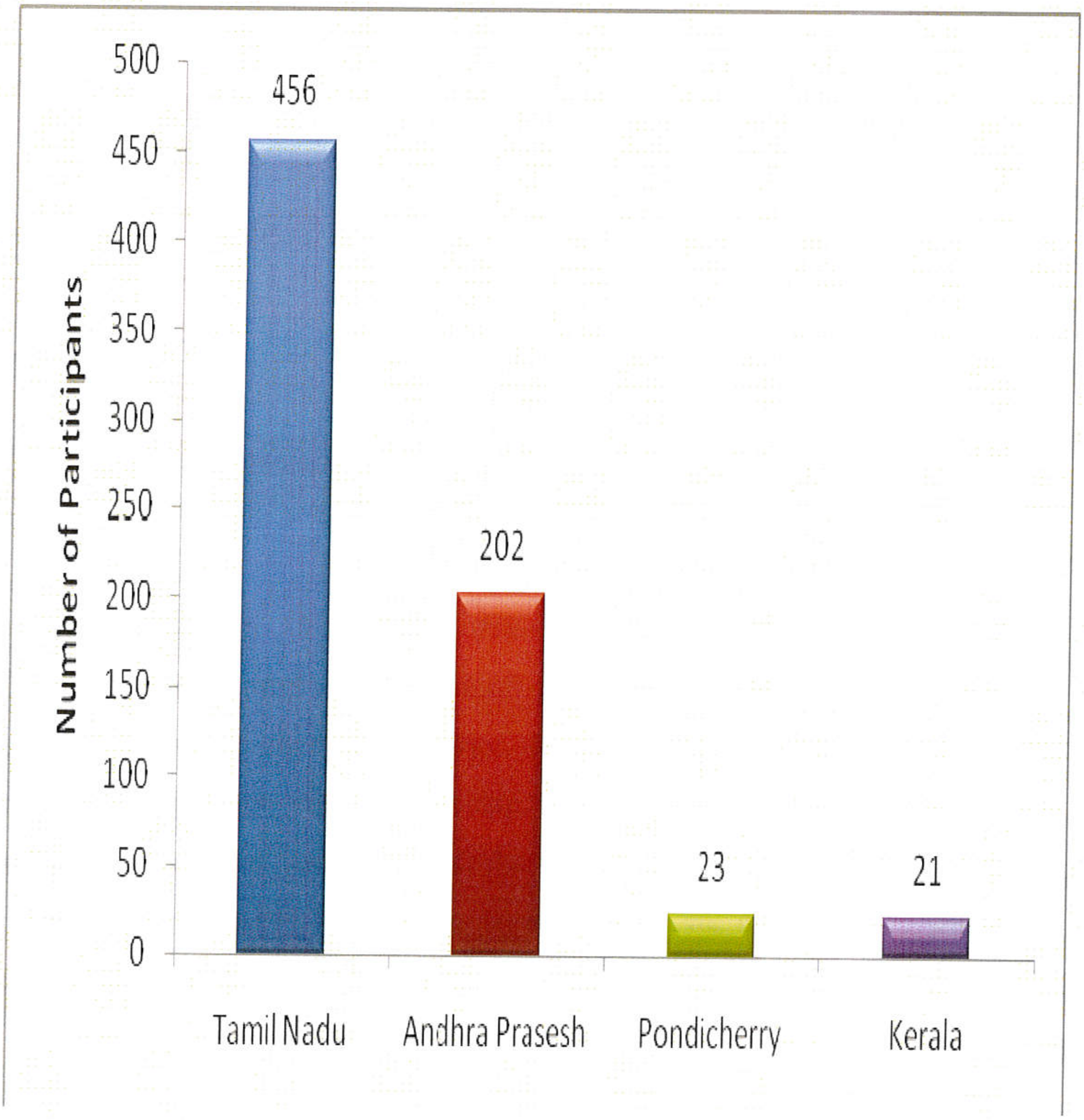

इस प्रकार आज की तारीख तक पिछले तेरह वर्षों के दौरान **569** पाठ्यक्रमों के माध्यम से **22,494** शिक्षक प्रशिक्षित हुए।

सारणी 4: इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में नामांकन: 2013-14

क्र.सं.	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी प्रणाली (आई डी डी एस)		
1	पे.एस.आर. इंजीनियरिंग कालेज, शिवकाशी, तमिलनाडु	49
2	विशाखा इंजीनियरिंग प्रोद्योगिकी संस्थान, नरवा, आँध्रप्रदेश	57
3	चैतन्य भारती प्रोद्योगिकी संस्थान, आँध्रप्रदेश	50
4	अरुणै इंजीनियरिंग कालेज, तमिलनाडु	55
5	एसआर इंजीनियरिंग कालेज, आँध्रप्रदेश	44
6	के.सी.जी. प्रोद्योगिकी कालेज, तमिलनाडु	52
7	धनलक्ष्मी श्रीनिवासन इंजीनियरिंग कालेज, तमिलनाडु	60
8	धनलक्ष्मी श्रीनिवासन इंजीनियरिंग कालेज, तमिलनाडु	60
9	प्रसाद वी. पोतितूरि सिद्धार्थ प्रोद्योगिकी कालेज, आँध्रप्रदेश	49
10	मुत्तायम्माल इंजीनियरिंग कालेज, तमिलनाडु	53
11	टीकेएम इंजीनियरिंग कालेज, केरल	21
12	डॉ. एन.जी.पी. प्रोद्योगिकी कालेज, तमिलनाडु	50
13	भारतीदासन प्रोद्योगिकी कालेज, तमिलनाडु	33
14	आदिपराशक्ति इंजीनियरिंग कालेज, तमिलनाडु	41
15	राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान, पुदुचेरी	23
16	रा.त.शि.प्र.अ.सं., चेन्नई	5
	कुल	702

4.3 उद्योगों और अन्य संगठनों के लिए पाठ्यक्रम

संस्थान ने सरकारी संगठनों और उद्योगों से अच्छा सहयोग कायम रखा है। दोनों संगठन यथा लोक निर्माण विभाग, तमिलनाडु राजमार्ग विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और उद्योग अपने इंजीनियरों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित कराने के लिए संस्थाओं के अनुभव, सुविज्ञता और संसाधनों का लाभ उठा रहे है। वर्ष 2013-14 के दौरान इस संस्थान के पर्यावरण प्रबंधन केंद्र ने (सी ई एम) तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण विभाग, तमिलनाडु सरकार के नए भर्ती किए गए सहायक इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के लिए विशिष्ट पाठ्यक्रम चलाए और नए भर्ती सहायक इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया। यह अद्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम नए भर्ती इंजीनियरों को विषय वस्तु और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में प्रशिक्षण देता है। पिछले तेरह वर्षों में अब तक 115 पाठ्यक्रमों के जरिए 2497 व्यक्तियों को प्रशिक्षणा दिया गया है।

4.4 समझौता ज्ञापन

एनएमईआईसीटी के बहिर्गत के रूप में संस्थान ने १० संस्थानों से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिनकी सूची निम्न प्रकार है।

- जवाहरलाल नेहरू प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, अनंतपुर
- अण्णा यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- विश्वेश्वरय्या प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, कर्नाटक
- तकनीकी शिक्षा निदेशालय - पुदुचेरी - पालीटेकनीक एवं इंजीनियरिंग
- एस आर एम यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- वेल्लूर प्रोद्योगिकी संस्थान, वेल्लूर
- तकनीकी शिक्षा निदेशालय, आँध्रप्रदेश श्री अजय जैन के जरिए
- मुख्य सचिव, आँध्रप्रदेश श्री अजय मिश्रा के जरिए (इंजीनियरिंग कालेज)
- काकतीय यूनिवर्सिटी, आँध्रप्रदेश
- तकनीकी शिक्षा निदेशालय, केरल

4.5 संचालित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालाएँ

इस वर्ष के दौरान कुल सात संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएँ चलाई गई। इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिक कालेजों उद्योगों सरकारी विभागों और पेशेवरों में से ८०० व्यक्तियों ने इनमें भाग लिया। प्रत्येक कार्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया है:

अ) स्वामी विवेकानद और व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास, शिक्षा, संस्कृति और भारतीय समाज पर उनके विचार पर एक दिवसीय संगोष्ठी

दिनांक २७.०८.२०१३ को रा.त.शि.प्र.अ.सं., चेन्नई द्वारा स्वामी विवेकानंद और व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास, शिक्षा, संस्कृति और भारतीय समाज पर उनके विचार पर एक दिवसीय संगोष्ठी स्वामी विवेकानंद महाराज की १५० वें जन्म दिवस के स्मरणोत्सव के अवसर पर चलाई गई। संगोष्ठी में कुल १६४ प्रतिभागी उपस्थिति रहे। इनमें कर्नाटक,

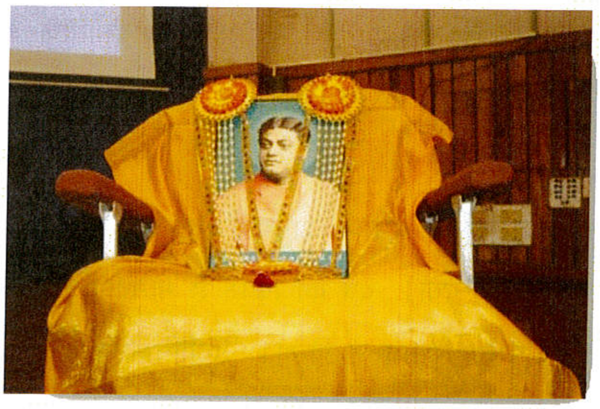

केरल, तमिलनाडु, आँध्रपेद्रश, पुदुचेरी से विभिन्न विषयों के पालिटेकनीक के शिक्षक, विभिन्न देशों से समुद्रपार प्रतिभागी रा.त.शि.प्र.अ.सं., चेन्नई के संकाय और कर्मचारी शामिल है।

उद्घाटन समरोह में प्रो. डॉ. एस. मोहन, निदेशक, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई ने प्रतिष्ठित व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और स्वागत भाषण दिया। श्री बी.एस. राघवन, आई.ए.एस. (से.नि.) भूतपूर्व मुख्य सचिव, त्रिपुरा सरकार, अध्याक्षासन ग्रहण किया और अध्यक्षीय भाषण दिया। स्वामी आत्मज्ञानानंदजी महाराज अध्यक्ष, रामकृष्ण मठ, काँचीपुरम ने उद्घाटन भाषण दिया।

स्वामी सत्यप्रभानंदजी, रामकृष्ण मिशन आश्रम, चेन्नई, प्रो. डॉ. वी. परमशिवम, डीन, रिसर्च, हिंदुस्तान यूनिवर्सिटी, चेन्नई, डॉ. वी. चंद्रशेखर, दर्शन विभाग, रामकृष्ण मिशन, विवेकानंद कालेज, चेन्नई, डॉ. रमा कश्यप, कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, इंडिया सीमेंट लि. चेन्नई, प्रो. डॉ. एस. श्रीनिवासन, प्रो. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आई आई टी मद्रास ने संसाधक के रूप में काम किया। समापन सत्र में प्रो.डॉ.एस. मोहन, निदेशक, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई ने अध्यक्षासन ग्रहण किया। श्रीमती पद्मा श्रीनाथ, शिक्षा परामर्शदाता और संसाधक, यूजीसी प्रोग्राम, चेन्नई ने संगोष्ठी की कार्यवाही का समाहार किया और भाषणों का सार प्रस्तुत किया स्वामी सत्य ज्ञानानंदजी, सचिव, रामकृष्ण मिशन छात्रगृह, माइलापुर, चेन्नई ने समापन भाषण दिया। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर अपने व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन को अग्रसर करने के महत्व को प्रतिभागियों ने महसूस किया।

आ) राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस ११ नवंबर २०१३ को श्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी और स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री की समृति में मनाया गया। वर्ष का विषय है मानवाधिकार और सामाजिक समानता। इस समारोह का समायोजन शिक्षा विभाग ने किया। इंजीनियरिंग और

पालिटेकनीक कालेजों के शिक्षकों, अकादमिक सदस्यों, उद्योग कार्मिकों और निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों सहित ८६ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. एस. रेणुकादेवी प्रो. और प्रभारी प्रधान, शिक्षा विभाग ने स्वागत किया। प्रो. डॉ. एस. मोहन, निदेशक ने अध्यक्षासन ग्रहण किया और अध्यक्षीय भाषण दिया। प्रो.डॉ. डी. गोविंदराजुल, प्रिंसिपाल, पांडिचेरी इंजीनियरिंग कालेज ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया और उद्घाटन भाषण दिया। प्रो.डॉ.एस.मोहन, निदेशक, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई, डॉ.एस. धनपाल, प्रो. और विभागाध्यक्ष पाठ्यचर्या विकास केंद्र, एनआईटीटीटी आर, चेन्नई, डॉ. टी. जगद्रक्षकन, प्रो. और विभागाध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र, एन आईटीटीटीआर, चेन्नई, डॉ. जी. जनार्दनन, एसोसियेट प्रो. पर्यावरण प्रबंधन केंद्र, डॉ. एस. रेणुकादेवी, प्रो. और प्रभारी विभागाध्यक्ष, शिक्षा एन आई टी टी टी आर, चेन्नई, डॉ.टी. मैथिली, एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी और श्रीमती सुजाता गोविदन, उप निदेशक, वोट दक्ष ने संसाधक के रूप में काम किया। समारोह के माध्यम से प्रतिभागी तकनीकी शिक्षा के संदर्भ में मानवधिकार और सामाजिक समानता के बारे मे जान सके।

इ) संघारणीय विकास के प्रोत्साहन के लिए तकनीकी नव प्रवर्तन

पर्यावरणीय प्रबंधन केन्द्र एन आई टी टी टी आर चेन्नई ने पेरियार मणियम्मै विश्विद्यालय, तंजावूर के सहयोग से दिनांक २२ नवंबर २०१३ को संघारणीय विकास के प्रोत्साहन के लिए तकनीकी नव प्रवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्देश्य था (i) संघारणीय विकास के जरिए ग्रामीण परिवर्तन में उत्कृष्ट प्रणाली की जानकारी (ii) संघारणीय विकास में अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली की जानकारी (iii) संघारणीय विकास में प्रोद्योगिकी नव प्रवर्तन का बोधा लगभग १६२ प्रतिभागियों ने जिसमें विभिन्न देशों के १९ प्रतिभागी शामिल हैं, भाग लिया यथा - बरुंडी, मिस्र, ईथोपिया, घाना, इण्डोनोशिया, लेसोथो, मलावी, मॉरीशस, पेरु, श्रीलंका, सीरिया, तंजानिया, वियतनाम व ज़ाम्बिया और राष्ट्रीय स्तर के १४३ प्रतिभागियों ने चर्चा में भाग लिया।

ई) तकनीकी शिक्षा के लिए सूचना साक्षरता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी टी आर) चेन्नई ने त्यागराज इंजीनियरिंग कालेज, मदुरै के सहयोग से १७ जनवरी २०१४ को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस संगोष्ठी में प्रतिष्ठित व्यक्ति जो पुस्तकालय और मीडिया के क्षेत्र में काम कर चुके हैं अपने पसंदीदा क्षेत्र में भाषण देने के लिए आमंत्रित किए गए। २२ विदेशी प्रतिभागियों के साथ लगभग ६२ प्रतिभागियों ने भाग लिया; यथा - नाइजीरिया, जिम्बाब्वे, मॉरिशस, फिजी द्वीपसमूह, सूडान और बांग्लादेश आदि और राष्ट्रीय स्तर पर ४० प्रतिभागियों ने चर्चा में भाग लिया।

इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का व्यापकलक्ष्य उचित मंच प्रदान करना था:

- ✓ ज्ञान प्रबंधन प्रणाली के आधार भूत मूल संकल्पना और सिद्धांत की जानकारी
- ✓ तकनीकी शिक्षा प्रणाली में ज्ञान प्रबंधन प्रणाली का प्रयोग
- ✓ ज्ञान प्रबंधन के लिए अधिगम और प्रशिक्षण प्रणाली की अभिकल्पना
- ✓ ज्ञान आधारित शिक्षण एवं अधिगम प्रणाली का विकास

संगोष्ठी का समन्वयन डॉ. आर. रविचंद्रन, वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३ और श्रीमती एल. राधा, पुस्तकालयाध्यक्ष, टी सी ई, मदुरै ने किया।

उ) इंजीनियरिंग शिक्षा में जेंडर मेनस्ट्रीमिंग पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

इंजीनियरिंग शिक्षा में जेंडर मेनस्ट्रीमिंग पर राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई ने बन्नारि अम्मन प्रोद्योगिकी संस्थान सत्यमंगलम के सहयोग से २० जनवरी २०१४ को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी चलाई। संगोष्ठी के स्थूल उद्देश्य ये (i) इंजीनियरिंग शिक्षा में जेंडर मेनस्ट्रीमिंग के बारे में जानना (ii) जेंडर मेनस्ट्रीमिंग में अंतर्राष्ट्रीय पद्धवि के बारे में जानना (iii) इंजीनियरिंग शिक्षा में जेंडर मेनस्ट्रीमिंग के लिए व्यूह रचना। विभिन्न देशों से १७५ प्रतिभागियों ने भाग लिया यथा अफगानिस्तान, बांगलादेश, बरुंडी, भूटान, तांजानिया, घाना, मेडगास्कर, मारिशस, नांबिया, नाइजीरिया और फिलिपीन

और साथ ही भारत के प्रतिनिधमंडल।इन संगोष्ठी से जेंडर मेनस्ट्रीमिंग के बारे में जानकारी पा सके और आश की जाती है कि इंजीनियरिंग शिक्षा में जेंडर जेनस्ट्रीमिंग पद्धति सुधार लाएंगे।

ऊ) आईसीटी-उच्च शिक्षा के लिए वरदान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए सूचना और संचार प्रोद्योगिकी पर समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अंश के रूप में आईसीटी-उच्च शिक्षा के लिए वरदान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का २४ मार्च २०१४ को संचालन

किया। संगोष्ठी का पी.एस.आर. इंजीनियरिंग कालेज, शिवकाशी, तमिलनाडू के साथ संयुक्त रूप से आयोजन किया गया। संगोष्ठी में लगभग २०० प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. ए.वी. राम प्रसाद, प्रधानाचार्य के एल एन इंजीनियरिंग कालेज, मदुरै ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और पाठ्य पुस्तक के हित अधिगम से प्रोद्योगिकी प्रभावित अधिगम को रूपावली परिवर्तन पर जोर दिया। शिक्षकों को सूचना संचार और प्रोद्योगिकी (आई सी टी) उपकरणों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। डॉ. वी. षण्मुगनीदि, सहायक प्रो. और शिक्षा विभाग के प्रभारी अध्यक्ष ने संगोष्ठी का समन्वयन किया। ३० शोधपत्रों में से १६ शोधपत्र विदेशी प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किए जो क्लाउड कम्प्यूटिंग और प्रतिबिंब संसाधन जैसे क्षेत्रों पर प्रवृत्तियों के बारे में थे।

श्री आर.सुंदर, निदेशक पी एस आर संस्थाएँ ने प्रोद्योगिकी समर्थित शिक्षा के महत्व पर भाषण दिया। अंत में के.आर. विश्वनाथन, प्रधानाचार्य ने धन्यवाद समर्पण किया।

ऋ) जल गुणता विश्लेषण आंकडा अर्थ निरुपण पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी आर) चेन्नई ने जल गुणता विश्लेषण - आंकडा अर्थ निरुपण पर कारुण्या विश्वविद्याय, कोयम्बतूर के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला चलाई। यह अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला २४ मार्च २०१४ को विश्व जल दिवस के स्मरणोत्सव के उपलक्ष्य में चलाई गई। इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न देशों में उपलब्ध सुरक्षित पेयजल प्रदान करने की उतकृष्ठ प्रणाली के बारे में जानना और हिस्सा लेना था।

5.0 पाठ्यचर्या विकास

संस्थान का पाठ्यचर्या विकास केंद्र विस्तार शील भारतीय अर्थ व्यवस्था की सतत परिवर्तनशील तकनीकी मानव संसाधनों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पालिटेकनीकों के नए कार्यक्रमों के लिए वर्तमान कार्यक्रमों कर पुनरीक्षण और नए कार्यक्रमों के विकास के लिए सन १९७० में स्थापित हुआ। इस उद्देश्य के साथ-साथ संस्थान ने पाठ्यचर्या विकास प्रतिरुप तैयार किया है जिसमें तकनीशियन दक्षता का ध्यान में रखते हुए तकनीशियन प्रोफाइल को विकसित करने के लिए पाठ्यचर्या विकसित करना जिसमें कार्य विश्लेषण शामिल है। उसका लक्ष्य अधिगम परिणाम को सूत्रबद्ध करना है जो ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति को प्रतिबिंबित करे, विषय वस्तु को एकत्रित और अनुक्रमित करे और समुचित मूल्यांकन योजना की अभिकल्पना करे। पाठ्यचर्या की प्रासंगिकता और समुचितता पाठ्यचर्या विकास की प्रत्येक अवस्था में पालिटेकनीक के शिक्षकों, औद्योगिक प्रतिनिधियों और उच्च शिक्षा संस्थानों के संकायों को मनोयोग से सुनिश्चित हो जाती है। वर्ष २०१३-१४ के दौरान एम टेक (मा.सं.वि.) कार्यक्रम का म.सं.वि. की अद्यतन प्रवृतियों को ध्यान में रखते हुए पुनरीक्षण किया गया है। पाठ्यर्चाय में ११ नए विषए जोड़े नए है और १२ विषयों का पुनरीक्षण किया गया है। सात समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का पुनरीक्षण किया गया है। आँध्रप्रदेश के विद्युत और इलेक्ट्रानिक्स और संचार इंजीनियरिंग के विषयों की दो कार्यक्रम पाठ्यचर्याओं का पुनरीक्षण दिया गया।

6.0 अनुदेशात्मक सामग्री विकास

वर्ष २०१३-१४, में विभिन्न इंजिनीयरिंग विषयों, शिक्षा शास्त्र तथा प्रबंधन की ९० पाठ्यक्रम सामग्रियों को तकनीकी संस्थान के शिक्षकों के उपयोग के लिए संस्थान ने अद्यतन बनाया।

7.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास

वीडियो कार्यक्रम

इस संस्थान ने इन वर्षों में तकनीकी शिक्षा तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में शैक्षिक वीडियो कार्यक्रम उत्पन्न करने के लिए बढ़िया सुविधाएँ विकसित की हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के इस कार्यक्रम के दौरान कुल ४१ वीडियो कार्यक्रमों का उत्पादन तकनीकी शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों के लिए किया गया।

8.0 अनुसंधान तथा विकास और विस्तार एवं परामर्श सेवाओं से संबंधित परियोजनाएँ

वर्ष २०१३-१४ के दौरान विविध एजेन्सियों से प्रवर्तित ८ परियोजना कार्यक्रमों को संस्था के संकाय ने पूर्ण किया जो निम्न प्रकार है:

सारणी ७: चालू अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का विवरण

क्रं. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रवर्तक अभिकरण	समन्वयक / सदस्य	आबंटित निधि
i.	शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों का एकीकरण करके तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के मुख्य क्षेत्र में लाना	मा सं वि मं	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. रेणुका देवी	2700000
ii.	प्रोद्योगिकी के औद्योगिक रूप संगत राष्ट्रीय संकाय विकास केंद्र	एआईसीटीई	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. धनपाल	2000000
iii.	नगर पलिका ठोस कचडों के खुले क्षेपण स्थल के प्रबंधन के लिए पर्यावरणीय रूप ठोस प्रोद्योगिकी का प्रदर्शन और नियंत्रित भू भराव की ओर पारगमन	टी एन पी सी बी	डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	716950
iv.	जल भूवैज्ञानिक द्रोणी में बहुस्तरीय तटीय जलवाही, प्रणाली के लिए भू जल प्रतिरुपण अध्ययन	एन एल सी लि., नेईवेली	डॉ. एस. मोहन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	2500000
v.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत तिरुनेलवेली क्षेत्र में	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	2500000
vi.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत तिरुच्ची क्षेत्र में	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. ई.एस.एम. सुरेश इं. वी. षण्मुगनीति	3000000
vii.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत कोयम्बत्तूर क्षेत्र में	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार डॉ. आर. रविचंद्रन	6900000
viii.	गुम्मिडिपूंडि में सेल ॥ फेस ॥ भूभरण का डिजाइन, जाँच, निगरानी	टी एन डब्ल्यू एम एल चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	400000
			कुल	**20716950**

9.0 राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम

मूलाधार

भारत की अर्थ व्यवस्था के अखंड विकास के लिए अर्थ व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कुशल श्रमिक बल की आवश्यकता है। जिसमें विनिर्माण, निर्माण और सेवा सम्मिलित है। अर्थ व्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में कौशल की कमी स्पष्ट है। राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन का लक्ष्य प्रशिक्षित और कुशल श्रमिकबल का सृजन करना है जो अन्य क्षीयमाण अर्थ व्यवस्था में कौशल की कमी की पूर्ति के लिए अधिक व्यवस्था के साथ तेज विकसित अर्थ व्यवस्था की घरेलू आवश्यकता की पूर्ति के लिए पर्याप्त हो ताकि भारत अपने प्रतियोगी लाभ का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सके और जन संख्यीय वृद्धि को काम में ला सके।

भारत सरकार के पास प्रति वर्ष १० मिलियन युवकों को कौशल प्रशिक्षण देने की महत्वाकांक्षी योजनाएँ है और विस्तृत सर्वेक्षण और प्राथमिकताकरण प्रक्रिया के जरिए २१ प्राथमिकता के क्षेत्र का चयन किया है। मानव संसाधन विकास मंत्रलाय ने विभिन्न स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थाओं को समाविष्ट करते हुए कौशल विकास प्रदान करे की प्रमुख भूमिका निभाने का भार उठाया है।

भारत में १५ और ३५ वर्ष की आयु के बीच ३५० मिलियन से अधिक युवक हैं। वर्तमान में भारत के पास केवल लगभग २% युवकों को औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण और ८% को अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की क्षमता है।

एआईसीटीई ने राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता ढाँचा (एन वी ई क्यू एफ) विकसित किया है। इस ढाँचे के तहत निम्न लिखित पहलुओं पर विचार किया गया है:

- विभिन्न संघटक स्तरों पर योग्यता की परिभाषा
- स्कूल प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा को सशक्त करना
- व्यावसायिक स्कूल में सफल छात्रों के लिए ऊर्ध्वाधर प्रगति प्रदान करना
- जॉब और पढ़ाई के बीच संचलन के लिए बहुबिंदु प्रवेश और निकास

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पहल के रुप में संस्थान ने राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के रुप में निम्नलिखित कार्यकलाप हाथ में लिए हैं।

- उद्योग और प्रशिक्षण संस्थानो के विशेषज्ञों की राय लेते हुए पाठ्यचर्या और प्रशिक्षण माड्यूल का विकास करना।
- अभिज्ञात मास्टर ट्रेनरों के लिए प्रशिक्षक का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का अत्याधुनिक उपकरणों सहित का प्रयास करना।
- एन वी ई क्यू एफ अनुपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक सामग्री प्रदान करना।
- डिप्लोमा या प्रमाण पत्र प्रदान करनेवाले प्रशिक्षण मॉड्यूलों के लिए श्रेय संचयन योजना हेतु व्यूह तैयार करना।

प्रथम चरण के रूप में प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अभिज्ञान और प्राथमिकताकरण का ट्रेड जिनके लिए पाठ्यचर्या तैयार करने का प्रक्रम पूरा कर लिया गया है।

निम्नलिखित पाँच क्षेत्रों में कुल ७६ ट्रेडों के लिए पाठ्यचर्या तैयार कर ली गई है:

क्षेत्रों के नाम

i) वस्त्र और पहनावा
ii) स्वास्थ्य रक्षक सेवा क्षेत्र
iii) इलेक्ट्रानिक्स और सू.प्रो. यंत्र सामग्री
iv) चर्म और चर्म के माल
v) आटो / आटो ऐन्सिलरी क्षेत्र

उद्योग और उच्चतर अकादमी संस्थाओं के विशेषज्ञों के पुनरीक्षण के बाद विकसित पाठ्यचर्या का प्रमाणीकरण फिलहाल किया जा रहा है। कुछ अभिज्ञात ट्रेडों के लिए प्रशिक्षक मेनुअल और शिक्षार्थी मैनुअल की तैयारी की जा रही है।

10.0 पालिटेकनिक के जरिए समुदाय विकास योजना

प्रत्यक्ष केंद्रीय सहायता योजना के रूप में मा.सं.वि.मं. भारत सरकार द्वारा प्रवर्तित सी डी टी पी योजना फरवरी २००९ से दक्षिण क्षेत्र में २०५* पालिटेकनिकों में कार्यान्वित की जा रही है।

सी डी टी पी योजना का प्रत्येक राज्य में कार्यान्वयन करनेवाले पालिटेकनिकों की संख्या निम्नलिखित सारणी में दी गई है:

आँध्रप्रदेश	कर्नाटक	केरल	तमिलनाडु	पुदुच्चेरी	योग
47	55	31	56	1	190**

[*205 को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई; **केवल 190 पॉलिटेकनीकों को वित्तीय स्वीकृति दी गई।]

योजना का उद्देश्य ग्रामीण युवकों स्कूल छोड़े छात्रों, गरीबों और दलितों का उत्थान करना आदि था।

कार्यकलाप

योजनाधीन कार्यकलापों के प्रमुख क्षेत्र है:

- सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण
- कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- समुचित तकनीकों का प्रसार और प्रयोग
- तकनीकी और सहायक सेवाएँ
- अभिज्ञा कार्यक्रम

रा त शि प्र अ सं की भूमिका

अपने अपने क्षेत्रों में योजना के कार्यान्वयन से संबंधित परियोजना कार्मिकों को सक्षम बनाने के लिए संस्थान का धारणीय विकास केंद्र (सी एस डी) संसाधन केंद्र के रुप में सेवा करता है। वह अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम, राज्यवार कार्यशालाएँ, योजना की वार्षिक संवीक्षएँ और विषय से संबंधित लघु पाठ्यक्रम नियमित रूप से चलाता है। इसके अलावा सीएसडी, विभिन्न प्रगति रिपोर्टो और व्यय से संबंधित मामलों की जाँच और तैयारी में मा.सं.वि.मं. की सहायता करता है।

वर्ष २०१३-१४ के दौरान दक्षिण क्षेत्र में पालिटेकनीक द्वारा प्रस्तुत सीडीटीपी के प्रचालन योजना के प्रस्तावों की जाँच की गई और अनुमोदित की गई। वर्ष २०१२-१३ के लिए पालिटेकनीक द्वारा प्रस्तुत उपयोगिता प्रमाणपत्र (UC's) लेखा विवरण (SOA's) और वस्तुगत उपलब्धि रिपोर्ट (PAR) की जाँच की गई और मंत्रालय को भेजी गई।

इसके अतिरिक्त वर्ष २०१२-१३ के लिए क्षेत्र के प्रत्येक पालिटेकनीक की व्यय रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट तैयार की गई और मंत्रालय को प्रस्तुत की गई।

11.0 अपंग व्यक्तियों को तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा की मुख्य धारा में एकीकृत करना

अशक्त व्यक्ति अधिनियम - १९९५ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (१९८६) के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय और भारत सरकार ने अशक्त व्यक्तियों को एकीकृत करके मुख्य धारा की तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा में लाने के निमित्त चयनित पॉलिटेकनीक के कोटि उन्नयनार्थ केंद्रित रूप से प्रवर्तित योजना को लागू किया है।

योजना के उद्देश्य

- अशक्त व्यक्तियों को मुख्य तकनीकी, व्यवसायिक शिक्षा और कार्यकुशलता के विकास कार्यक्रम में लाने के लिए विभिन्न औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा एवं कार्यक्रमों का आयोजन।
- पॉलिटेकनीक के उपयुक्त भौगोलिक कैचमेन्ट में पी डब्ल्यूडी की पहचान करना।
- अशक्त अशिक्षित युवको के लिए अनौपचारिक कौशल विकास कार्यक्रमों पर विशेष बल देते हुए अशक्त व्यक्तियों के योग्य शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पहचान करना ताकि उनको ज्यादा मजदूरी मिल सके अथवा यथासंभव अपने ही यहाॅ या निवास स्थान पर स्वनियोजन का अवसर मिले।
- अशक्त व्यक्तियों की योग्यता के अनुरूप आवश्यकता और सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या तैयार करना।
- कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उचित संसाधनों की तैयारी करना/प्राप्त करना/विकसित करना जिसमें भौतिक, मानवीय और अनौपचारिक स्त्रोत शामिल है।
- आवश्यकतानुसार योजना के विभिन्न चरणों के लिए प्रतिमान और मानदंड का विकास करना।

- स्त्रोत संस्थानों और अन्य संगठनों से नेट वर्किंग व सहयोग प्राप्त करना और जन शक्ति प्रशिक्षण उचित मार्गदर्शन और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उनकी सहायता लेना।
- प्रशासकों, नियोजकों, संकाय के सदस्यों और छात्रों और व्यापक रुप से समुदाय को अशक्त व्यक्तियों की समस्याओं और क्षमताओं के प्रति संवेदनशील बनाना और पॉलिटेक्स में उचित वातावरण बनाना।
- नव प्रवर्तित शिक्षण तकनीक और दृष्टि कोण का विकास करना जिससे अशक्त युवाओं को उचित शिक्षा प्रशिक्षण और पुनर्वास मिले।
- मजदूरी और स्व नियोजन के अवसर के लिए अशक्त युवकों को मार्गदर्शन, परामर्श और नियोजन प्रदान करने में सहायता के लिए पॉलिटेकनीक के वर्तमान नियोजन कक्ष को सशक्त करना।
- योजना के परिवीक्षण के लिए उपर्युक्त विधियाँ और पद्धतियाँ बनाना।

योजना को कार्यान्वित करनेवाले दक्षिण क्षेत्र के पॉलिटेकनिक

- डॉ. धर्माम्बल सरकारी महिला पॉलिटेकनीक कालेज, चेन्नई
- सरकारी महिला पॉलिटेकनीक कालेज, कोयम्तूर
- अरसन गणेशन पॉलिटेकनीक कालेज, शिवकाशी
- महिला पॉलिटेकनीक लासपेट, पाण्डिचेरी
- सरकारी पॉलिटेकनीक, कोट्टयम
- श्री रामा सरकारी पॉलिटेकनीक, त्रिप्रायार
- श्रीमती एल वी सरकारी पॉलिटेकनीक, हासन
- सरकारी महिला पॉलिटेकनीक, मंगलौर
- सरकारी पॉलिटेकनीक, बेलगाम

उपलब्धियाँ

२०१३-१४ में प्रशिक्षण प्राप्त अशक्त छात्रो का विवरण निम्नवत् है:

प्रशिक्षित अशक्त छात्र	
औपचारिक डिप्लोमा कार्यक्रम (प्रविष्टी)	अनौपचारिक पाठ्यक्रम (प्रशिक्षित)
45	314

निम्न क्षेत्रों में अनौपचारिक पाठ्यक्रम चलाए गए:

- जिल्दसाजी
- सेल फोन सर्विसंग
- कुर्सी बुनाई
- कम्प्यूटर यंत्र सामग्री समन्वायोजन और सर्विसंग
- डेटा एन्ट्री ऑपरटेर
- डेस्क टॉप पब्लिशिंग
- गुडिया और मोमवत्ती बनाना
- वैद्युत तार स्थापन
- कढ़ाई
- कार्यालय ऑटोमेशन
- सिलाई और ड्रेस मेकिंग
- टंकण

संबंधित परियोजना पालिटेकनीक के अधिकारियों से अन्योन्य क्रिया करके योजना के कार्यान्वयन की निगरानी द्वारा की गई।

12.0 आभासी रा त शि प्र अ सं

आभासी विधा के जरिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना संस्थान की प्राथमिकता का क्षेत्र है। संस्थान ने ई-लर्निंग का लाभ पहुचाने के लिए आईसीटी और कम्प्यूटर नेटवर्क की संगतता की समर्थता के समुपयोजन का काम जारी रखा। अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संस्थान आभासी रा त शि प्र अ सं की संकल्पना के आधार पर आन लाइन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। संस्थान के शैक्षिक प्रोद्योगिकी और मल्टीमीडिया (ET&MM) विभाग ने स्वाध्याय पैकेज (SLPs), मल्टीमीडिया लर्निग पैकेज (MMLPs) कंप्यूटर आधारित अनुशिक्षता के रूप में डिजिटल संसाधनों के विकास के लिए तरह तरह की पहल का मिशन मोड पर अपना लिया है।

लक्ष्य

आभासी रा त शि प्र अ सं का लक्ष्य ऑन लाइन आभासी मोड के माध्यम से तकनीकी शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना और बदले में प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा छात्रों को प्रभावी ढंग से सीखने देना है।

समर्थनकारी लक्ष्य है:

- ई-लर्निंग पर्यावरण विकसित करना जो तकनीकी शिक्षकों को ऑन लाइन लर्निंग प्रदान करने के लिए इंटरनेट और मल्टीमीडिया की क्षमताओं का समुपयोजन करता है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के अपने कार्य वातावरण में तकनीकी शिक्षकों को सतत अधिगम अवसर प्रदान करने के लिए केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थाओं से प्रशिक्षण का विस्तार करना।
- शिक्षा शास्त्र क्षमताओं, कक्षा प्रबंधन मार्गदर्शन और परामर्श और विषय वस्तु से संबंधित क्षेत्रों में अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षकों को प्रशिक्षण देना।
- ग्रामीण और पिछडे क्षेत्रों के छात्रों को भी उचित कालावधि के भीतर ई-लर्निंग अवसर प्रदान करना।
- वर्तमान परिस्थिति में संकायों की कमी को देखते हुए ई-लर्निंग पर्यावरण द्वारा प्रशिक्षण अवसर का उपयोग करने में शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए तकनीकी संस्थाओं को सुविधाऍं प्रदान करना।
- इंजीनियरिंग कालेजों और पॉलिटेकनिकों में पढनेवाले छात्रों को इंजीनीयरिंग पाठ्यक्रम में ई-लर्निंग संसाधन प्रदान करना।
- समुद्रपार देशों से समुदाय एवं शिक्षकों और शैक्षिक प्रशासकों के लिए ऑन लाइन कार्यक्रम प्रदान करना।

परियोजना का परिणाम

ई-कन्टेन्ट विकास ज्ञान सृजन और प्रसार की आवश्यकता पूरी करता है जो मिशन के सारभूत लक्ष्य का समर्थन करता है। निम्नलिखित परिणाम निकले:

- तकनीकी शिक्षकों, छात्रों और समाज को आजीवन-अधिगम प्रदान करना और साथ ही शिक्षा के लिए ऐसी संभाव्यता प्रदान करता है जो केंद्रीकृत शिक्षा संस्थाओं से शिक्षकों / छात्रों के द्वार तक पहुँचे।
- अधिक व्यक्तियों तक पहुँचना; तुरंत नहीं तो शीघ्र और पूर्णतः दूरी और समय तत्व का उन्मूलन।
- बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रतिवियुक्ति की समस्या कम करना।
- तकनीकी संस्थाओं में संकाय की कमी की वर्तमान स्थिति में गुणवत्तागुक्त विषय सहित अधिगम अवसर प्रदान करना।
- डिजिटल डिवाइड न्यूनतम करना।

अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षक को प्रशिक्षण देने के लिए अगले वर्ष वेब अधारित पाठ्यक्रम/वेब प्रसारण आयोजित करने की योजना है। समुचित अंतः संरचना युक्त तकनीकी संस्थाओं का पता लगाया जा रहा है ताकि वे वेब प्रसारण के लिए नोडल केंद्र के रुप में काम कर सके।

13.0 ई-गवर्नन्स परियोजना का कार्यान्वयन

संस्थान ई-गावर्नन्स प्रयोग को विकसित करने का प्रक्रम कर रहा है जिसमें संस्था की शैक्षिक, लेखा, क्रय और प्रशासनिक प्रक्रिया शामिल है। ई-गवर्नन्स के प्रयोग का उद्देश्य इन प्रक्रियाओं की उत्पादकता और सौलभ्य के सुधार में मदद करना है। संस्थान ने प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आर एफ पी) प्रलेख तैयार किया है जिसमें तैयार किए जाने के ई-गवर्नन्स प्रयोग के क्षेत्र और आवश्यकता की रूप रेखा है। खुली निविदा का निमंत्रण किया गया और एप्रैल २०११ में विक्रेताओं ने तकनीकी और वणिज्यिक बोली प्रस्तुत की। खुली निविदा प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप हेचटीसी ग्लोबल सर्विसस प्रा.लि. को ई-गवर्नन्स प्रयोग के विकास के लिए विक्रेता के रूप में चुना गया।

सेवास्तर के करार पर (एस एल ए) पर रा त शि प्र अ सं, चेन्नई और हेच टी सी ग्लोबल सर्विसस प्रा.लि. चेन्नई के बीच दि. २४.११.२०१० को हस्ताक्षर हुए। करार के अनुसार (i) शैक्षिक प्रक्रिया प्रणाली, (ii) वित्त, क्रय, मालसूची और आस्ति प्रबंधन और, (iii) वेतन चिट्ठा और मानव संसाधन प्रणाली और, (iv) छात्रावास और अतिथि गृह प्रबंधन की प्रयोजनमूलक आवश्यकता के लिए ई-गवर्नन्स आधारित आटोमेशन तैयार करना था।

विक्रेता अनुप्रयोग का प्रारंभिक अध्ययन तैयार किया है जिसका अधिष्ठापन किया गया है। निम्नलिखित पाँच माड्यूलों के अभिलक्षणों और मान्यता की समीक्षा ई-गवर्नन्स समूह और प्रचालन से वास्तविक रूप से संबंधित स्टाफ द्वारा की जा चुकी है।

शैक्षिक माड्यूल	हेचआरएमएस और वेतन चिट्ठा
क्रय और भंडार	फाइल संचलन प्रणाली
वित्त	

समीक्षकों द्वारा सूचित सुधारों को व्यापारी ने कार्यान्वित किया है। प्रतीक्षा की जाती है कि मई २०१४ से ई-गवर्नन्स पूरा प्रचालन होगा।

14.0 हिन्दी भाषा के प्रयोग का कार्यान्वयन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के विचार के अनुसार संस्थान ने हिन्दी के प्रगति के लिए कई कार्यक्रम चलाए। इस वर्ष निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

(i) संस्थान के हिन्दी कक्ष ने दि.०३/०५/२०१३ को एक दिवसीय कार्यशाला चलाई। २९ प्रतिभागी उपस्थिति रहे।

(ii) दि. ०६/०९/२०१३ को चेन्नई के आसपास के स्कूली बच्चों के लिए स्वामी विवेकानंद-हमारे देश के लिए भविष्य दृष्टि और मिशन शीर्षक पर चित्रकारी, भाषण और निबंध प्रतियोगिता चलाई गई। ५ स्कूलों से १२५ छात्रों ने भाग लिया।

दि. २५/०९/२०१३ को हिन्दी दिवस के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

(iii) दि. १७/०९/२०१३ को एक दिवसीय कार्यशाला संस्थान के हिंदी कक्ष द्वारा आयोजित की गई। २४ प्रतिभागियों ने इस में भाग लिया।

(iv) दि.४ से ६ सितंबर २०१३ तक संस्थान हिन्दी पखवाड़ा और २५ सितंबर २०१३ को हिन्दी दिवस संस्थान में मनाया गया। विभिन्न प्रतियोगिताएँ - निबंध लेखन, सुलेखा (ग्रूप डी के लिए) और हिन्दी अंताक्षरी और हिन्दी वाक्स्पर्धा - संस्थान के कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों के लिए चलाई गई। डॉ. एस. सुब्बा राव पी.हेचडी., मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर परिसर, तरमणि, चेन्नई-११३ समारोह के मुख्य अतिथि रहे।

(v) दि.०५/१२/२०१३ को संस्थान के हिन्दी कक्ष ने एक दिवसीय कार्यशाला चलाई। २१ प्रतिभागी उपस्थित रहे।

(vi) दि.१६/०१/२०१४ को संस्थान के हिन्दी कक्ष ने एक दिवसीय कार्यशाला चलाई। १७ प्रतिभागियाँ ने भाग लिया।

15.0 अंत: रा त शि प्र अ सं. खेल प्रतियोगिता

खेल और सांस्कृतिक सहभागिता रा त शि प्र अ सं के बीच भातृभाव का सभी स्तरों में विकास होता है। जिससे रा त शि प्र अ सं तंत्र के संपूर्ण विकास के लिए वांछित भाई चारा और टीम

भावना का विकास होता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए २००५ से चक्रवृत्ति आधार पर चंडीगढ़, भोपाल, कोलकता और चेन्नई में प्रतिवर्ष चलाया जा रहा है। अंतः रा त शि प्र अ सं., द्वारा खेल समारोह का आयोजन किया जाता है।

दसवीं अंतर रा त शि प्र अ सं., खेल प्रतियोगिता - २०१४, १० से १४, फरवरी २०१४ तक रा त शि प्र अ सं. भोपाल में आयोजित हुई। हमारे संस्थान से कुल १७ प्रतिभागियों ने खेल प्रतियोगिता में भाग लिया और रा त शि प्र अ सं. भोपाल ने चैम्पियनशिप जीता।

16.0 संकाय समाचार

इस संस्थान के अधिकांश सदस्यों ने विभिन्न विशेष समितियों में बतौर सदस्य भाग लिया जिसका गठन एआईसीटीई, मा.सं.वि.मं., आईएसटीई, तकनीकी शिक्षा निदेशालयों, विश्वविद्यालयों और दक्षिण क्षेत्र के स्वशासी कालेजों ने किया।

सम्मिलित प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम

१. डॉ. एस. धनशेखरन, दि.०१.०४.२०१३ से ०३.०४.२०१३ तक अण्णा प्रबंधन संस्थान चेन्नई में संगठनात्मक प्रकर्ष पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

२. डॉ. ई.एस.एम. सुरेश, दि.०८.०३.२०१४ से १०.०३.२०१४ तक नई दिल्ली में एनबीए द्वारा आयोजित प्रत्यायन पर द्वितीय विश्व शिख्र सम्मेलन में उपस्थित रहे।

३. डॉ. एस. रेणुकादेवी, दि.२२.०८.२०१३ को प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन - एनआईडीपीएमडी की भूमिका पर कार्यशाला में राष्ट्रीय बहुअशक्तता युक्त व्यक्तियों का सशक्तीकरण संस्थान में उपस्थित रहे।

४. डॉ. जी. कुलन्दैवेल, एन आई टी टी टी आर, भोपाल में दि.१३.०९.२०१३ से १५.०९.२०१३ तक शिक्षक प्रशिक्षण हब्ज़ की स्थापना पर तीन दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रहे।

५. डॉ. जी. कुलन्दैवेल, दि.०८.०३.२०१४ से १०.०३.२०१४ तक नई दिल्ली में एनबीए द्वारा आयोजित प्रत्यायन पर द्वितीय विश्व शिख्र सम्मेलन में उपस्थित रहे।

६. डॉ. जी. जनार्दनन, एआईसीटीई, सीआईआई और मा.सं.वि.मं. द्वारा आयोजित वर्धित राष्ट्रीय उत्पादकता के लिए उद्योग - अकादमी सहयोग पर दि.१४.०४.२०१३ से १५.०४.२०१३ तक नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित रहे।

७. डॉ. जी. जनार्दनन, दि.२१.०८.२०१३ से २३.०८.२०१३ तक अण्णा प्रबंधन संस्थान, चेन्नई में दबाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

८. डॉ. जी. जनार्दनन, दि.२४-२६, अक्टूबर २०१३ को चेन्नई के सी आई आई द्वारा आयोजित ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस पर ११वें संस्करण अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे।

९. डॉ. जी. जनार्दनन, दि.०८.०३.२०१४ से १०.०३.२०१४ तक नई दिल्ली में एनबीए द्वारा आयोजित प्रत्यायन पर द्वितीय विश्व शिख सम्मेलन में उपस्थित रहे।

१०. श्री के.एस.ए. दिनेशकुमार, शिक्षक प्रशिक्षण कंद्रों की स्थापनों पर १३.०९.२०१३ से १५.०९.२०१३ तक एन आई टी टी टी आर, भोपाल में तीन दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रहे।

११. श्री के.एस.ए. दिनेशकुमार, दि.०८.०३.२०१४ से १०.०३.२०१४ तक नई दिल्ली में एनबीए द्वारा आयोजित प्रत्यायन पर द्वितीय विश्व शिख सम्मेलन में उपस्थित रहे।

१२. श्री यू.एस. साहू, आई आई टी गुवाहाटी में १६.०९.१३ से २०.०९.१३ तक गु.सु.का. (QIP) में ऑप्टो इलेक्ट्रानिक्स और प्रकाशीय संचार पर उपस्थित रहे।

१३. श्री एम.सेंतिल कुमार एन आई टी टी टी आर, चेन्नई में २८.१०.१३ से ०१.११.१३ तक इंजीनियरिंग शिक्षा में अनुसंधान प्रणाली विज्ञान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

१४. डॉ. एस. सोमसुंदरम, दि.०८.०७.१३ से १०.०७.१३ तक अण्णा प्रबंधन संस्थान, चेन्नई में सरकारी संगठनों में पूर्नगुणता प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

१५. डॉ. एस. सोमसुंदरम, दि.१६.१२.१३ से २०.१२.१३ तक एन आई टी टी टी आर, भोपाल में निर्धनता उन्मूलन परियोजना के लिए टीवीईटी कौशल हेतु चैंपियन नेता विकास कार्यक्रम के क्षमता निर्माण पर अंतर्देशीय कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

१६. डॉ. एस. सोमसुंदरम, दि.०८.०३.२०१४ से १०.०३.२०१४ तक नई दिल्ली में एनबीए द्वारा आयोजित प्रत्यायन पर द्वितीय विश्व शिख सम्मेलन में उपस्थित रहे।

१७. डॉ. वी. षण्मुगनीदि, एन आई टी टी टी आर, भोपाल में दि.१३.०९.२०१३ से १५.०९.२०१३ तक शिक्षक प्रशिक्षण हब्ज़ की स्थापना पर तीन दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रहे।

१८. डॉ. वी. षण्मुगनीदि, दि.२१.०८.२०१३ से २३.०८.२०१३ तक अण्णा प्रबंधन संस्थान, चेन्नई में दबाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

१९. डॉ. वी. षण्मुगनीदि, २६.०२.२०१४ से २८.०२.२०१४ तक आईसीटीएसीटी ब्रिज कनेक्ट कार्यशाला में उपस्थित रहे।

२०. डॉ. वी. षण्मुगनीदि, दि.०८.०३.२०१४ से १०.०३.२०१४ तक नई दिल्ली में एनबीए द्वारा आयोजित प्रत्यायन पर द्वितीय विश्व शिख सम्मेलन में उपस्थित रहे।

२१. डॉ. आर. राजेन्द्रन, दि.०६.०५.१३ से ०८.०५.१३ तक अण्णा प्रबंधन संस्थान, चेन्नई में प्रबंधकीय प्रभाविता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध पत्र

१. रविचंद्रन, आर. (२०१३, अप्रेल) - आधुनिक पुस्तकाल्य पद्धति पर पुस्तकालय व्यावसायों के लिए सूचना और संचार प्रोद्योगिकी का प्रभाव। १० से १२ अप्रेल २०१३ तक इन्टरनेशनल कन्वेन्शन सेन्टर, मनीला, फिलिपीन में हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र

१. सुरेश, ई.एस.एम. और महालक्ष्मी, आर. (२०१३)। एलएमएस ग्रीन कम्प्यूटिंग पेरिपेक्स के लिए एकटूल - इंडियन जर्नल आफ रिसर्च, वा.२, सं.४, पृ.७८-८०।

२. सुरेश, ई.एस.एम. और हेमबाला, जे. (२०१३)। स्नातक पूर्व इंजीनियरिंग छात्रों के लिए मोबाइल लर्निंग इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्प्यूटर एण्ड इन्फार्मेशन टेक्नलोजी, वा.२, संस्करण ६, पृ.।

३. सुरेश, ई.एस.एम. और परमेश्वरन.ए (२०१४)। उच्च इंजीनियरिंग संस्थाओं में संस्थान - उद्योग के सहयोग की प्रभाविता पर एक अध्ययन। इंडियन जर्नल फार टेकनीकल एड्युकेशन, वा.३७ (१), पृ.।

४. सुरेश, ई.एस.एम. और महालक्ष्मी, आर. (२०१४)। एलएमएस फार कम्प्यूटर स्टूडेन्ट्स-इंटरनेशनल जर्नल आफ इन्फार्मेशन एण्ड कम्प्यूटेशन टेकनलोजी, वा.४(३), पृ.२८५-२९२।

५. रति, जी.ए. (२०१३)। बूम्स रिवाइज़्ड टॉक्सोनॉमी का उपयोग करते हुए बी.ई. डिग्री प्रोग्राम की पावर इलेक्ट्रानिक्स पाठ्यचर्या की प्रभाविता इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन, वा.६९(१५), पृ.२१-२५।

६. मल्लिका, पी. (२०१३) उच्च शिक्षा के लिए एमओओसी प्रोवाइडर्स पर सर्वेक्षण - इंटरनेशनल जर्नल आफ मैनेजमेन्ट एण्ड इन्फार्मेशन टेकनलॉजी, वा.७, सं.१, पृ.९६२-९६७।

७. रविचंद्रन, आर. और जयश्री, एस. (२०१३) वेब इम्पेक्ट एसेस्मेंट के लिए वेबमेट्रिक टूल्स के पेर्सपेक्टिव: ए रेव्यू इंटरनेशनल जर्नल आफ लाइबेरी साइन्स, वा.२(२), पृ.४३-४८।

८. रविचंद्रन, आर. और षण्मुगनीदि, वी. (२०१३)। पुस्तकालय अगली पीढी : अगली पीढी को पुस्तकालय सेवा का प्रवसन - इंडियन जर्नल आफ टेकनिकल एड्युकेशन, पृ.२८-३५।

प्राप्त पुरस्कार

- डॉ. आर. रविचंद्रन को बुक सेलर्स एण्ड पब्लिशेर्स एसोसिएशन आफ साउथ इंडिया (BAPAS) ने १० जनवरी, २०१४ को ३७-वें बुक फेयर के दौरान वाईएमसीए, नंदन्नम, चेन्नई में उद्घाटन के अवसर बेस्ट लाईब्रेरियन अवार्ड प्रदान किया और १०,०००/- रु. प्रशास्ति पत्र के साथ।

एआईसीटीई, आईएसटीई, एमहेचआरडी, डीओटीई मानित विश्वविद्यालयों और स्वायत्त इंजीनियरिंग कालेजों और पॉलिटेकनीकों को अपनी व्यावसायिक सहायता के अलावा दक्षिण राज्यों में स्वायत्त पालिटेकनीक और इंजीनियरिंग कालेजों द्वारा पाठ्यचर्या विकास के लिए संस्थान के संकायों ने विशेषज्ञ समिति के सदस्यों या कार्यशालाओं में संसाधन प्रदाता के रूप में सेवा की।

17.0 आभार प्रदर्शन

संस्थान निम्नलिखित को अपना आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करता है:

- भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग) को सभी कार्यक्रमों और कार्यकलापों में सतत समर्थन के लिए।
- शासक मंडल और उसकी उपसमितियों को संस्थान के कार्य संचालन में योगदान के लिए।
- ऑन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के राज्य सरकारों को और संघ शासित राज्य क्षेत्र पुदुचेरी को संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए शिक्षकों को प्रतिनियुक्त करने में सहयोग और सहायता के लिए।
- विभिन्न उद्योगों और उनके प्रबंधन विभागों को संस्थान के कार्यक्रमों के प्रभावात्मक संचालन के लिए सहयोग और सहायता के लिए।
- संस्थान के संकाय और स्टाफ को रिपोर्टाधीन वर्ष को महत्व पूर्ण बनाने में कठिन परिश्रम और समर्पण भावना के लिए।
- समाचार पत्रों, आकाशवाणी और दूरदर्शन को संस्थान के कार्यक्रमों और कार्यकलापों के प्रचार और समर्थन के लिए।

18.0 बोर्ड और उप समितियाँ

बोर्ड के शासक मंडल वित्त समिति और विभिन्न समितियों का गठन परिशिष्ट (i), (ii) और (ii) में दिया गया है।

परिशिष्ट

परिशिष्ट I

(३१.०३.२०१४ को)

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नई सोसाइटी और शासक मंडल

अध्यक्ष

प्रो. डॉ. अल्लम अप्पा राव

अध्यक्ष - शासक मंडल, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई
निदेशक,
सी आर राव गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटर विज्ञान उच्च स्तरीय संस्थान,
हैदराबाद विश्विद्यालय परिसर,
केंद्रीय विश्वविद्यालय डाक घर,
हैदराबाद-५०० ०४६, आ.प्र., भारत

सदस्य-सचिव

प्रो. डॉ. एस. मोहन

निदेशक
राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

सदस्य

भारत सरकार के शिक्षा तथा वित्त विभागों से मनोनीत प्रतिनिधि	**संयुक्त सचिव (टी ई एल)** उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११० ००१
	वित्त सलाहकार (म.सं.वि.) एकीकृत वित्त प्रभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११० ००१
तकनीकी शिक्षा के पाँच निदेशक	१. **तकनीकी शिक्षा आयुक्त** तकनीकी शिक्षा निदेशालय तमिलनाडु राज्य सरकार चेन्नै - ६०० ०२५

२. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
ऑन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार
५ वाँ और छठा तल, बी.आर.के.आर. भवन
टैंक बंड रोड, हैदराबाद-५०० ०६३

३. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
केरल राज्य सरकार
त्रिवेन्द्रम, केरल - ६९५ ०२३

४. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
महाराष्ट्र राज्य सरकार
३, महापालिका मार्ग,
मुंबई-४०० ००१, महराष्ट्र राज्य

५. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
ओडीशा राज्य सरकार
किल्ला मैदान, बक्सी बाजार,
कट्टक-७५३ ००१, ओडीश राज्य सरकार

अ.भा.त.शि.प. का प्रतिनिधि

डॉ. कुंचेरिया पी. आइसक
सदस्य सचिव
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
७वाँ तल, चंदरलोक बिल्डिंग,
जनपथ, नई दिल्ली - ११० ००१

विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि

उप कुलपति, अण्णा विश्वविद्यालय, चेन्नई - ६०० ०२५

मा.सं.वि.मं. द्वारा नामित दो उद्योगपति / तकनीकी पेशेवर

१. **श्री करुमुत्तु टी. कण्णन**
प्रबंध निदेशक
त्यागराजर मिल्स (प्र) लि., मदुरै-६२५ ००८

२. **डॉ. एस.एस. वरप्रसाद**
अध्यक्ष
अनुराग ग्रूप आफ इंजीनियरिंग कालेजस
वेंकटपुर (वी), घटकेसर - ५०१ ३०१
आर.आर. जिला (आ.प्र.)

संकाय प्रतिनिधि

डॉ. एस. रेणुकादेवी
प्रोफेसर और प्रभारी अध्यक्ष
शिक्षा विभाग
रा.त.शि.प्र.अ.सं., चेन्नई - ६०० ११३

वित्त समिति

अध्यक्ष	**प्रो. डॉ. अल्लम अप्पा राव** अध्यक्ष - शासक मंडल, एन आई टी टी आर, चेन्नई निदेशक, सी आर राव गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटर विज्ञान उच्च स्तरीय संस्थान, हैदराबाद विश्विद्यालय परिसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय डाक घर, हैदराबाद-५०० ०४६, आ.प्र., भारत
सदस्य	**अपर सचिव (टीइल)** उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार शास्त्री भवन नई दिल्ली - ११० ००१
	वित्त सलाहकार (मा.सं.वि.) एकीकृत वित्त प्रभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११० ००१
	तकनीकी शिक्षा आयुक्त तकनीकी शिक्षा निदेशालय तमिलनाडु राज्य सरकार गिण्डी, चेन्नई - ६०० ०२५
सदस्य-सचिव	**प्रो. डॉ. एस. मोहन** निदेशक राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

बोर्ड की उप समितियाँ

1. कर्मचारी चयन समिति

[ए आई सी टी ई के मानदंड के अनुसार]

सदस्य	अध्यक्ष शासक मंडल रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३
	निदेशक रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३
	विभागाध्यक्ष प्राचार्य स्तर के रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३
	ए आई सी टी ई से नामित प्रचार्य स्तर के
	विषय के दो विशेषज्ञ

2. भवन निर्माण समिति

अध्यक्ष	तकनीकी शिक्षा आयुक्त तकनीकी शिक्षा निदेशाल्य तमिलनाडु राज्य सरकार गिण्डी, चेन्नई - ६०० ०२५
सदस्य	अधीक्षक अभियन्ता के.लों.नि.वि., चेन्नई - ६०० ००६
	अधीक्षक अभियन्ता (तकनीकी शिक्षा डिवीज़न) लोक निर्माण विभाग तमिलनाडु राज्य सरकार सरदार पटेल रोड चेन्नई - ६०० ०२५
सदस्य / सचिव	निदेशक रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३

3. विभागीय पदोन्नति समिति

अध्यक्ष

डॉ. एस. धनपाल
प्रोफेसर और प्रधान
पाठ्यचर्या विकास केंद्र
रा त शि प्र अ सं.,
चेन्नई - ६०० ११३

सदस्य

श्री ए. अय्याकण्णु
निदेशक
शिक्षुत प्रशिक्षण बोर्ड
सीआईटी कैम्पस, तरमणि,
चेन्नई - ११३

श्री के. कुमरप्पन
सहायक रजिस्ट्रार
आईआईटी मद्रास,
चेन्नई - ६०० ०२५

श्री वी. वीरासामी
परामर्शदाता (प्रशासन)
रा त शि प्र अ सं.,
चेन्नई - ६०० ११३

डॉ. जी. जनार्दनन
एसोसिएट प्रोफेसर
सीईएम विभाग
रा त शि प्र अ सं.,
चेन्नई - ६०० ११३

1. अकादमीय परिषद

अध्यक्ष	निदेशक राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३
सदस्य	सभी प्राचार्य / विभागाध्यक्ष
	दो एसोसियेट प्रोफेसर
	दो सहायक प्रोफेसर
	तकनीकी शिक्षा क्षेत्र से दो सुविज्ञ व्यक्ति और उद्योगों से दो प्रतिष्ठित व्यक्ति

2. समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन बोर्ड

१. प्रो. डॉ. एस. मोहन	-	अध्यक्ष
२. डॉ. एस. धनपाल	-	सदस्य
३. डॉ. वी.के. नटराजन	-	सदस्य
४. डॉ. जी. जनार्दनन	-	सदस्य
५. डॉ. जी. कुलन्दैवेल	-	सदस्य
६. डॉ. टी. जगद्रक्षकन	-	संयोजक

3. एम.टेक. (मा.सं.वि) कार्यक्रम के लिए अध्ययन बोर्ड

१. प्रो. डॉ. एस. मोहन	-	अध्यक्ष
२. डॉ. एस. धनपाल	-	सदस्य
३. डॉ. जी. कुलन्दैवेल	-	सदस्य
४. डॉ. एस. रेणुका देवी	-	सदस्य
५. डॉ. जी. जनार्दनन	-	सदस्य
६. श्री वी. षण्मुगनीदि	-	सदस्य

4. डॉक्टरी उपाधि कार्यक्रम के लिए अध्ययन मण्डल (अनुसंधान अध्ययन)

१.	प्रो. डॉ. एस. मोहन	अध्यक्ष
२.	डॉ. पी. अरुणकुमार	सदस्य
३.	डॉ. एस. धनशेखरन	सदस्य
४.	डॉ. एस. धनपाल	सदस्य
५.	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश	सदस्य
६.	डॉ. एस. रेणुका देवी	सदस्य
७.	डॉ. आर. राजेन्द्रन	सदस्य
८.	डॉ. जी. जनार्दनन	सदस्य

परिशिष्ट - V

शिकायत निवारण समिति

डॉ. वी.के. नटराजन प्रोफेसर और प्रधान ग्रामीण विकास केंद्र	**अध्यक्ष**
डॉ. टी. जगद्रक्षकन प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र (सीआईए)	सदस्य
डॉ. एस. रेणुकादेवी प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान शिक्षा विभाग	सदस्य
डॉ. जी. जनार्दनन एसोसियेट प्रोफेसर सी ई एम विभाग	सदस्य
श्री के. शेखर कार्यालय अधीक्षक	सदस्य

परिशिष्ट - VI

लोक सूचना अधिकारी

डॉ. जी. कुलन्दैवेल
प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान
शैक्षिक मीडिया केन्द्र

कार्यस्थल पर महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के निवारण के लिए समिति

डॉ. एस. रेणुका देवी शिक्षा के प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान	अध्यक्ष
डॉ. एस. धनपाल पाठ्यक्रम विकास केन्द्र के प्रोफेसर	सदस्य
श्रीमती आर. वनजाकुमारी निदेशक के वरिष्ठ व्यक्तिक सहायक	सदस्य

समिति की बैठकों के विवरण

	सं.	
शासक मंडल	27^{th}	15.06.2013
	28^{th}	18.10.2013
	29^{th}	21.12.2013
रा त शि प्र अ सं, चेन्नै सोसाइटी	10^{th}	18.10.2013
वित्त समिति	26^{th}	15.06.2013
	27^{th}	18.10.2013
	28^{th}	21.12.2013

संकाय और कर्मचारी गण सूची

निदेशक	**प्रो. डॉ. एस. मोहन, एम.ई., पी हेच.डी., एफ.एन.ए.ई.,**
पर्यावरण प्रबंधन केन्द्र	**प्रो. डॉ. एस. मोहन, एम.ई., पी हेच.डी., एफ.एन.ए.ई.,** निदेशक व अध्यक्ष
	डॉ. जी. जनार्दनन, एम.ई., पी हेच.डी. (यू एस ए) एसोसियेट प्रोफेसर
संधारणीय विकास केंद्र	**डॉ. वी.के. नटराजन, एम.ए., एम.ए., पी हेच.डी.,** प्रोफेसर व अध्यक्ष
अंतर्राष्ट्रीय विकास केंद्र	**डॉ. टी. जगदरक्षकन, बी.ई. (आनर्स), एम.ई., पी हेच.डी.** प्रोफेसर सिविल इंजी. व प्रभारी अध्यक्ष सीआईए
सिविल अभियांत्रिकी	**डॉ. ई.एस.एम. सुरेश, बी.ई., एम.ई., पी हेच.डी.** प्रोफेसर, सिविल इंजी. और अध्यक्ष
	डॉ. आर. शान्तकुमार, एम.ई., पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर, इंजीनियरिंग
	श्री के.एस.ए. दिनेश कुमार, एम.ई. सहायक प्रोफेसर
कम्प्यूटर केंद्र	**डॉ. पी. मल्लिका, बी.ई., एम.एस., पी हेच.डी.** वरिष्ठ सिस्टम एनालिस्ट
	डॉ. वी. षण्मुगनीदि, एम.ई., पी हेच.डी. सहायक प्रोफेसर
पाठ्यक्रम विकास केन्द्र	**डॉ.एस. धनपाल, बी.ई., एम.एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	श्री डी.वी. सूर्यनारायण, बी.ई., प्रोग्रामर
शिक्षा	**डॉ. एस. रेणुका देवी, बी. एस सी., एम.सी.ए., एम.फिल., पी हेच.डी.** शिक्षा के प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान
	डॉ. आर. राजेन्द्रन, एम.एड., एम.बी.ए. पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर
	डॉ. के.एस. गिरिधरन, बी.ई., एम.टेक., पी हेच.डी. सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक मीडिया केंद्र	**डॉ. जी. कुळन्दैवेल, एम.ई., पी जी डी सी ए, पी हेच.डी..** प्रोफेसर शैक्षिक मीडिया केन्द्र व प्रभारी अध्यक्ष
शैक्षिक प्रोद्योगिकी व मल्टीमीडिया	**श्री ए.पी. फेल्क्सि आरोग्यराज, बी. एस सी., एम.एस सी., डी.एफ. टेक.** सहायक प्रोफेसर
विद्युत इंजीनियरिंग	**डॉ. जी.ए. रति, एम.ई., पी जी डी सी ए, पी हेच.डी.** सहायक प्रोफेसर
इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग	**डॉ. एस. धनशेखरन, बी.ई., एम.एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.** प्रोफेसर व अध्यक्ष **श्री पी. शिवशंकर, एम.ई., पी हेच.डी.** सहायक प्रोफेसर
विस्तार केंद्र, बैंगलौर	**डॉ. पी. अरुण कुमार, एम.एस सी., एम.एङ, पी हेच.डी.** प्रोफेसर व अध्यक्ष **श्री वी. शिवकुमार, एम.ई.,** सहायक प्रोफेसर
विस्तार केंद्र, हैदराबाद	**डॉ. सी.आर. नागेन्द्र राव, बी.टेक.एङ, एम.टेक., पी जी डी टी सी ए, पी हेच.डी.** प्रोफेसर व अध्यक्ष **श्री यू.एस. साहु, बी.ई., एम.टेक.,** एसोसियेट प्रोफेसर
विस्तार केन्द्र, कलमसेरी	**श्री फिलिप कुरियन, एम.एस सी. (इंजि.)** एसोसियेट प्रोफेसर व प्रभारी प्रधान
यांत्रिक इंजीनियरिंग	**डॉ. एस. सोमसुन्दरम, एम.ई., पी हेच.डी.** सहायक प्रोफेसर **श्री एम. सेंतिल कुमार, बी.ई., एम.टेक.** सहायक प्रोफेसर
नीति योजना व शैक्षिक अनुसंधान	**श्री एस. राजशेखर, बी.ई. एम.टेक (मा सं वि)** अनुसंधान सहायक, शिक्षा
संसाधन केंद्र	**डॉ. आर. रविचंद्रन, एम.एस.सी., एम.एल.आई.एस., एम.एड़, एम.बी.ए., पी हेच.डी.,** वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष

होस्टल

वार्डन	**प्रो. डॉ. एस. मोहन** निदेशक
उप वार्डन	**डॉ. जी. जनार्दनन** एसोसियेट प्रोफेसर सी इ एम विभाग
सहायक वार्डन	**डॉ. आर. रविचंद्रन,** वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष संसाधन केंद्र
	डॉ. एस. सोमसुन्दरम सहायक प्रोफेसर यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग
चिकित्सा अधिकारी (पार्ट-टाइम)	**डॉ. एन.बी. आनंद, एम.डी. डी.एम.आर.डी.,**

भाग - II

2013-14 साल का
लेखा विवरण

लेख परीक्षा
महा निदेशक (केन्द्रीय),
चेन्नई

31 मार्च 2014 को अंत होनेवाले वर्ष के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक (कर्तव्य शक्ति और सेवाशर्तो) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 31 मार्च 2014 पर राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के संलग्न तुलनपत्र और असतिथि में समाप्त आय व्यय लेखा / प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा की लेखा परीक्षा की है। वर्ष 2017-18 की अवधि तक लेखा परीक्षा सौंपी गई है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों पर अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर अपनी राय अभिव्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा रीति की अनुरुपता के संबंध में लेखा प्रणाली, लेखा प्रणाली मानक, प्रकटन प्रतिमान आदि पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ हैं। विधि, नियम और विनियम (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-निष्पादन पहलू आदि, यदि कुछ हो, के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियाँ पृथक रूप से निरीक्षण रिपोर्ट / सी ए जी लेखा परीक्षा रिपोर्ट के जरिए दर्शायी गयी है।

3. भारत में सामान्यत: या स्वीकृत लेखा परीक्षा मानक के अनुसार हमने लेखा परीक्षा की है। ये मानक यह अपेक्षा करते है कि हम लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन इस प्रकार करें कि हमें यह उचित आश्वासन प्राप्त हो जाए कि वित्तीय विवरण तात्विक गलत विवरण से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में परीक्षण तौर पर लेखों का समर्थन करनेवाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों की जाँच सम्मिलित है। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों का मूल्यांकन और प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत विशिष्ट कथन और साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i हमें अपनी लेखा परीक्षा के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार आवश्यक सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए।

ii इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र और आय-व्यय लेखा / प्राप्ति और अदायगी लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार बनाए गए हैं।

iii हमारी राय में बहियों की हमारी जाँच के अनुसार खाता बही और अन्य संगत अभिलेख परिशिष्ट में सम्मिलित हमारी टिप्पणी के अधीन राष्ट्रीय तकनीक शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई द्वारा उचित रूप के रखे गए है।

iv आगे हम रिपोर्ट करते हैं कि:

अ तुलन पत्र - भविष्य निधि / एन पी एस लेखा
देयताएँ - रु.3,93,07,271.71

एन आई टी टी आर में रखे गए अभिलेखों के अनुसार 31.03.2014 को संचित एन पी एस शेष रु.89,43,417 था। फिर भी तुलनपत्र में एन पी एस देयता के रूप में केवल रु.59,78,270 की राशि ही दर्शाई गई। अंतर का समाधान किया जाना है।

आ आय-व्यय लेखा - एन आई टी टी आर लेखा
अनुदानों/आथिक सहायताओं पर व्यय - अनुसूची 22 - रु.1,66,91,234

प्रयोगशाला और कम्प्यूटर के लिए वार्षिक अनुरक्षण के (ए एम सी) पर किए गए रु.4,29,656 (वर्ष 2013-14: रु.59,992 और 2014-15: रु.3,69,664) की व्यय राशि को संस्थान ने चालू वर्ष का व्यय दर्शाया है यद्यपि वह ए एम सी अवधि 2013-14 के आगे का है। परिणाम स्वरूप रु.3,69,664 की राशि तक व्यय का अतिकथन है और उसी सीमा तक चालू आस्तियों की न्यूनोक्ति हो गई है।

इ सामान्य

अनुसूची 24 - उल्लेखनीय लेखा नीति में दर्शाया गया है कि वित्तीय विवरण अधिकतर रोकड़ आधार पर तैयार किया गया है। लेखा को प्रोद्भवन आधार की जगह रोकड़ आधार पर लेखा तैयार करना वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखे के एक समान आरूप अनुदेश के विपरीत है।

ई लेखे में पुनरीक्षण का प्रभाव

लेखा परीक्षा की टिप्पणी के आधार पर राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के लेखे का पुनरीक्षण किया गया। इस पुनरीक्षण के परिणाम स्वरूप आस्तियाँ और देयताएँ रु.3.11 करोड़ तक कम हो गई और व्यय से अधिक आय की राशि 2.74 करोड़ तक कम हो गई।

उ सहायता अनुदान

वर्ष 2013-14 के 14.53 करोड़ रु. के सहायता अनुदान में से जिसमें पिछले वर्ष की अव्ययित राशि रु. 1.83 और पी डब्लयु डी की अव्ययित राशि 0.70 करोड़ रु. शामिल है (कुल 17.06 करोड़ रु.)। संस्थान केवल 15.53 करोड़ रु. खर्च कर सका जिसके कारण 31 मार्च 2014 को अव्ययित अनुदान के रूप में 1.53 करोड़ रु. की शेष राशि रह गई।

ऊ प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा रिपोर्ट में असम्मिलित कमियों का ध्यान राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई को पृथक रुप से प्रबंधन पत्र द्वारा आकर्षित किया गया ताकि उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

v पिछले अनुच्छेदों में हमारी टिप्पणी के अधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र और आय-व्यय लेखा / प्राप्ति-अदायगी लेखा वही खातों से मेल जाते हैं।

vi हमारी राय और जानकारी में और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीति और लेखा नोट सहित और उपरोक्त विशिष्ट मामलों के और इस रिपोर्ट में उल्लिखित अनुबंध के अधीन भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धातें के अनुरुप सही और स्पष्ट रूप प्रस्तुत करते हैं।

क. जहाँ तक तुलन पत्र का संबंध है 31 मार्च 2014 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई की परिस्थिति।

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त आय-व्यय लेखे के अधिशेष का संबंध है।

भारत के लेखा-नियन्ता और महालेखा-परीक्षक के लिए / की ओर से

ह/-

लेख परीक्षा महा निदेशक (केन्द्रीय), चेन्नई

स्थान : चेन्नई

दिनांक : 05.03.2015

पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुबंध

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:

जुलाई 2013 के दौरन एक व्यक्ति को आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। फिर संस्थान के पास कोई व्यवस्थित लेखा परीक्षा प्रणाली नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

लेखा परीक्षा के क्षेत्र में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त पाई गई।

3. अचल आस्तियों और माल सूचियों की भौतिक सत्यापन प्रणाली:

अचल आस्तियों और वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन 2013-14 के दौरान हुआ है और कोई विसंगति नहीं पाई गई।

4. सांविधिक देय राशि की आटायगी में नियमितता:

संविधिक बकाया राशि को संस्थान नियमित रूप से जमा कर रहा है।

ह/-
उप निदेशक / प्रशा.

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३ ।

2013-14

का वार्षिक लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

३१.०३.२०१४ को तुलन पत्र

आधारभूत / पूँजी निधि व देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष 2013-2014	गत वर्ष 2012-2013
आधार भूत / पूँजी निधि और देयताएँ	1	221,508,138.00	249,127,377.00
आरक्षित व अधिशेष	2		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	1,150,674.00	12,220,566.00
जमानती ऋण और उधार राशियाँ	4		
गैर जमानती ऋण व उधार राशियाँ	5		
आस्थगित जमा देयतायें	6		
चालू देयताएँ और प्रावधान	7	31,691,036.00	53,730,772.00
योग		**254,349,848.00**	**315,078,715.00**
परिसंपत्तियाँ			
अचल परिसंपत्तियाँ	8	191,099,604.00	118,030,650.00
निवेश राशियाँ - उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से	9		
निवेश - अन्य	10		
चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	11	63,250,244.00	197,048,065.00
फुटकल व्यय			
योग		**254,349,848.00**	**315,078,715.00**
महत्वपूर्ण लेखा बीमा	24		
लेखे पर प्रासंगिक देयतायें तथा लेखे पर टिप्पणियाँ	25		

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

३१.०३.२०१४ को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

	अनुसूची	चालू वर्ष 2013-2014	गत वर्ष 2012-2013
आय			
क्रय/सेवाओं से आय	12	3,712,472.00	3,716,352.00
अनुदान आर्थिक सहायताएँ	13	114,600,000.00	113,957,188.00
चंदा शुल्क	14	1,301,150.00	1,549,300.00
निवेशों से आय	15	3,069,640.00	5,256,315.00
रायल्टी व प्रकाशन आदि से आय	16	174,833.00	145,165.00
अर्जित ब्याज	17	21,136.00	65,141.00
अन्य आय	18	13,243,609.00	216,814.00
तैयार माल और चालू कार्यो के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19	65,955.00	(4,338.00)
योग (अ)		**136,188,795.00**	**124,901,937.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	95,744,069.00	96,960,909.00
अन्य प्रशासनिक व्यय	21	14,526,757.00	11,513,435.00
अनुदान, आर्थिक सहायताओं आदि पर व्यय	22	16,691,234.00	18,834,407.00
ब्याज	23	-	-
तैयार माल और चालू कार्यो के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)		58,313.00	
मूल्यह्रास	8	18,621,812.00	26,185,255.00
योग (आ)		**145,642,185.00**	**153,494,006.00**
व्यय से ज्यादा आय की शेष राशि (अ-आ)			
विशेष आरक्षण में स्थानांतरित (हरेक को विर्निदिष्ट करें)			
सामान्य आरक्षण निधि को / से स्थानांतरित			
शेष राशि जो आधार भूत पूँजी निधि (आ-अ) को अग्रानीत अधिशेष / (घाटा)		**(9453390.00)**	**(28,592,069.00)**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३ ।

प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा

१ अप्रेल २०१३ से ३१ मार्च २०१४

प्राप्तियाँ	2013-14 रु. पै.	2012-13 रु. पै.	अदायगियाँ	2013-14 रु. पै.	2012-13 रु. पै.
बैंक लेखा	69139906.00	70401488.00	शुल्क व कार	6640877.00	4715791.00
रोकड़ शेष	405100.00	398900.00	विविध लेनदार	33774866.20	45027488.00
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	41739000.00		अन्य देयताएँ	76603970.41	395168.00
शुल्क व कार	494001.00		बकाया खर्च	6713090.00	4715059.00
विविध लेनदार	31524.00		वापसी योग्य जमा	118566.00	369985.00
अन्य देयताएँ	88373347.00		अभिदाता लेखा		6320675.00
वापसी योग्य जमा	336172.00	401219.00	भवन	3996653.00	700848.00
ऋण और अग्रिम (आस्तियाँ)	7343776.00	1292942	कम्प्यूटर पेरिफेरल	1131595.00	410350.00
शुल्क और अभिदान	1202250.00	2051850	कम्प्यूटर	467107.00	
अनुदान सहायता आथिक	103600000.00	142314000	ई-जर्नल	681133.00	
निवेशों से आय	3080183.00	3774649.00	उपस्वार	1943959.00	732068.00
रायल्टी व प्रकाशन से आय	174833.24	145165.00	फर्नीचर	232920.00	65505.00
बिक्री व सेवाओं से आय	3331363.00	3481219.00	अन्य आस्तियाँ	27900.00	928506.00
अर्जित ब्याज		20301.00	पूर्वदत्त बीमा		8706.00
अन्य आय	1728811.00	3272233.00	ऋण और अग्रिम (आस्तियाँ)	46654265.00	168750.00
अनुदान/आथिक सहायता में व्यय	96664.00		शुल्क और अभिदान	85000.00	
अन्य प्रशासनिक व्यय	8901.00		निवेशों से आय	10543.00	
अन्य व्यय	258800.00		बिक्री व सेवाओं से आय	2200.00	
			अन्य आय	489605.00	
			प्रशासनिक व्यय	67827255.80	71854019.00
			अनुदान/आथिक सहायता में व्यय	8892224.00	14804730.00
			अन्य प्रशासनिक व्यय	7505631.43	6791312.00
			अन्य व्यय	258800.00	
			बैंक लेखा	56852370.00	69139906.00
			रोकड़ शेष	434100.00	405100.00
योग	321344631.00	227553966.00	योग	321344631.00	227553966.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

३१.०३.२०१४ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए

अनुसूची - 1

अनुसूची - आधार भूत / पूँजी निधि:	चालू वर्ष 2013-14	गत वर्ष 2012-13
	रु. पै.	रु. पै.
साल के प्रारंभ में शेष	221196005.00	253107861.00
जोड़िए : आधार भूत / पूँजी निधि को अंशदान		
उपस्करों / परियोजनाओं का पूँजीकरण	644000.00	
योजना अनुदान पूँजी व्यय	7837267.00	24393184.00
आधार भूत निधि १० और २०%	469500.00	218400.00
आधारभूत निधि	814756.00	
आय-व्यय लेखे से स्थानांतरित	-9453390.00	-28592068.00
	221508138.00	**249127377.00**

अनुसूची सं.1 के लिए अनुबंध

टिप्पणी:

2012-13 के पिछले वर्ष के वार्षिक लेखे में गलती से 253107861/- रु. को अथशेष माना गया जबकि सही शेष 225176489/- रु. था यह गलती निम्नलिखित मद के शामिल करने से हुई थी। (मद 2-4)

क्रं.सं.	विवरण	राशि रु.
1.	2011-12 के लिए इतिशेष	225176489
	व्यय/आय से अधिक राशि	
2.	जोडिए 2011-12 भविष्यनिधि	2701012
3.	2011-12 स.प.पा	25382317
4.	घटाइए 2011-12 परियोजना	151957
	योग	**253107861**

यदि 2012-13 के लिए 225176489/- रु. को अथशेष माना गया तो 2012-13 के लिए इतिशेष 221196005/- रु. हो जाएगा और रु. 221196005/- की उसी राशि को अनुसूची 1 के तहत अब 2013-14 के लिए अथशेष माना गया है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

वर्ष २०१३-१४ के लिए

अनुसूची - ३

उद्दिष्ट / धर्मस्व निधियाँ	योजना	पीडब्ल्यूडी	एआईसीटीई/	राजीव गांधी	ओएससी	योग (अ)
	अनुदान	योजना	एसडीपी	एन एफ/डब्ल्यू	विशेष अनुदान	
अ) निधियों का अथ शेष	**5929236.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**		**6289387.00**
आ) निधियों में परिवर्धन						
i दान/अनुदान	30739000.00					30739000.00
ii निधि लेखे में निवेश से प्राप्त आय	644000.00					644000.00
iii अन्य जोड (प्रकार विनिर्दिष्ट करें)	6959554.00					6959554.00
कुल (अ + आ)	**44271790.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**	**0.00**	**44631941.00**
इ) निधियों के उद्देश्यों का उपयोग/व्यय						
i पूँजी व्यय						
- अचल परिसंपत्तियाँ	8481267.00					8481267.00
- अन्य (के लो नि नि को अग्रिम)	35000000.00					35000000.00
कुल	**43481267.00**				**0.00**	**43481267.00**
ii राजस्व व्यय						
- वेतन, मजदूरी व भत्ता आदि						
- किराया						
- अन्य प्रशासनिक व्यय						
कुल	**0.00**					
कुल उपयोग / व्यय	43481267.00	0.00	0.00	0.00	0.00	43481267.00
वर्ष के अंत में निवल शेष (अ+आ-इ)	**790523.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**	**0.00**	**1150674.00**

अनुसूची सं.3 के लिए अनुबंध

टिप्पणी:

लो.नि.वि. से अव्यायित शेष जमा के रूप में रु.69,59,554/- प्राप्त किए गए और उसे योजना अनुदान माना गया। भारत सरकार से योजना अनुदान के रूप में 3,07,39,000/- रु. प्राप्त किए गए। इस वर्ष के लो.नि.वि. को कक्षा निर्माण के लिए रु.3,50,00,000/- दिए गए। कलमस्सेरी में भवन निर्माण के लिए जो 6,44,000/- रु. दिए गए उन्हें अनुदान माना गया और पूँजीकृत किया गया रु.78,37,267/- जिनको पूँजीगत आस्ति के लिए उपयोग किया गया। अनुसूची 3 के तहत पूँजीकृत किया गया।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै

३१ मार्च, २०१४ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

चालू देयताएँ और प्रावधान

अनुसूची - 7

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2013-14 रु.पै.	गत वर्ष 2012-13 रु.पै.
1	**बकाया व्यय:**		
	कर्मचारी वेतन	4906899.00	4710682.00
	टेलीफोन प्रभार		15154.00
	पेंशन भुगतान	1962701.00	1703218.00
	अनुसंधान अधिसदस्यता		44484.00
	वाहन अनुरक्षण	4959.00	4959.00
	जल प्रभार		29880.00
	विद्युत प्रभार		209672.00
	विद्युत अनुरक्षण	5975.00	5975.00
	अन्य वेतन		
	एन पी एस अंशदान देय		62418.00
	जोड अ	**6880534.00**	**6786442.00**
2	**वापसी योग्य जमा राशियाँ:**		
	बयाना जमा राशि	565316.00	369244.98
	कर्मचारी मकान के लिए जमानती राशि	20000.00	
	पीएचडी के लिए जमानती राशि	25500.00	25500.00
	समुदाय हाल के लिए जमा	174.00	174.00
	केंटीन के लिए जमानती रशि	6000.00	6000.00
	प्रतिभूति जमा राशि	679684.00	679684.00
	एमटेक-मा.सं.वि के लिए छात्रवृति जमा	224875.00	224875.00
	जी एस एल आई एस	10971.00	10971.00
	आवासी प्रभार - हॉस्टल	42480.00	42480.00
	कर्मचारी मकान	37535.00	36000.00
	अनुसंधान छात्र - एफ आई पी	170000.00	170000.00
	जोड आ	**1782535.00**	**1564928.98**
3	**अन्य देयताएँ:**		
	नया क्षेत्र पाठ्यक्रम शुल्क वापसी योग्य	2000.00	2000.00
	सेवा कर		502990.00
	टी डी एस		105965.00
	वित्तीय परियोजनाएँ		9904498.43
	काफमौ उपकरण	81889.00	81889.00
	तमिलनाडु किताब घर	2731.00	2731.00
	समुदाय हाल के लिए जमा	29391.00	29391.00
	ओ टी सी		28734513.00
	आधार भूत निधि लेखा	104000.00	
	परियोजना लेखा २०१३-१४	8214248.00	
	अप्रयुक्त अनुदान	14304581.00	
	वेतन कटौती देय		1422445.30
	संपत्ति कर देय	130382.00	130382.00
	लेखा परीक्षा व्यय - देय	56290.00	56290.00
	शेष आस्तियों के क्रय के लिए प्रावधान		3963628.00
	जोड इ	**22925512.00**	**44936722.73**
4	**विविध लेनदार**	**35850.00**	**442678.00**
	जोड ई	**35850.00**	**442678.00**
5	**शुल्क और कर**	66605.00	
	जोड उ	**66605.00**	
	कुल योग (अ + आ + इ + ई + उ)	**31691036.00**	**53730771.71**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै

३१ मार्च, २०१४ को अनुसूची में संलग्न और तुलनपत्र के अंश

अनुसूची-8

अचल आस्तियाँ

वर्णन	ग्रॉस ब्लॉक				अवमूल्यन			नेट ब्लॉक	
	लागत / मूल्यांकन साल के प्रारंभ में (ग्रॉस)	वर्ष के दौरान जोड़ सितंबर के पहले	वर्ष के दौरान जोड़ सितंबर के बाद	वर्ष के दौरान लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के अंत तक कुल	३१.०३.१४ को समाप्त चालू वर्ष	३१.०३.१३ को समाप्त गत वर्ष
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
भूमि									
मुक्त भूमि	268500			268500				268500	268500
पट्टे की भूमि									
पट्टे की भूमि									
भवन	78762550	3486173	510480	82759203	37690766	8250396	45941162	74508807	78762550
संयंत्र, मशीन और उपस्कर	17999638	0		17999638	66593793	2699946	69293739	15299692	17999638
वाहन	473012			473012	1276974	70952	1347926	402060	473012
फर्निचर, फिक्सचर	4299594	190930	41990	4532514	5971991	451152	6423143	4081362	4299594
कार्यालय उपस्कर	1353491	1312460	631499	3297450	932645	298170	1230815	2999280	1353491
कम्प्यूटर पेरिफेरल	8010181	434884	32223	8477288	79445219	4576706	84021925	3900582	8010181
विद्युत अधिष्ठापन	151527			151527	341156	22729	363885	128798	151527
पुस्तकालय के लिए किताबें	3461804	0		3461804	4341343	519271	4860614	2942533	3461804
ई-जर्नल			681133	681133		340565	340565	340568	
स्मार्ट कक्षा वातानुकूलित	1250670	0		1250670	3117528	750402	3867930	500268	1250670
अन्य परिसंपत्तियाँ	1999683	0	27900	2027583	1285768	302045	1587813	1725538	1999683
कम्प्यूटर			1131595	1131595		339479	339479	792116	
कुल	**118030650**	**5424447**	**3056820**	**126511917**	**200997183**	**18621812**	**219618995**	**107890104**	**118030650**
WIP कक्षा निर्माण	72223557	10985943		83209500				83209500	72223557
	190254207	16410390	3056820	209721417	200997183	18621812	219618995	191099604	190254207

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै
३१ मार्च, २०१४ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

चालू आस्तियाँ ऋण और अग्रिम

अनुसूची - **11**

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2013-14 रु.पै.	गत वर्ष 2012-13 रु.पै.
1	**(अ) चालू आस्तियाँ:**		
	इति रोकड़ शेष (स्थायी अग्रिम)	112600.00	107600.00
	अस्थायी अग्रिम (सीडी-१)	321500.00	
	बैंक शेष		
	इति बैंक शेष	56852370.00	126925872.94
	राजीव गॉंधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता	4100.00	3960.00
	खेलकूद	22736.00	21853.27
	जोड अ	**57313306.00**	**127059286.21**
2	**(आ) अंतिम स्टॉक:**		
	डाक व्यय	17929.00	10287.00
	विद्युत अनुरक्षण	41650.00	41650.00
	भवन अनुरक्षण	6376.00	6376.00
	जोड आ	**65955.00**	**58313.00**
3	**(इ) ऋण व अग्रिम:**		
	कर्मचारी		
	त्योहार अग्रिम	204574.00	203449.00
	कम्प्यूटर अग्रिम	785200.00	28600.00
	सवारी अग्रिम	718459.00	89301.00
	भवन निर्माण अग्रिम	390465.00	466429.00
	बाढ़ कर्ज़ अग्रिम	3800.00	3800.00
	विकलांग व्यक्तियों को	13893.00	13893.00
	अन्य - अस्थायी अग्रिम		297500.00
	जोड इ	**2116391.00**	**1102972.00**
	प्राप्य अग्रिम और राशि नकद में या किसी किस्म में		
	उद्योग में प्रतिभूति जमा	275.00	275.00
	न्यायलय में प्रतिभूति जमा		
	एमईएस में प्रतिभूति जमा	411969.00	371170.00
	ईसी प्रतिभूति जमा	2551.00	2551.00
	ईसीएच जमा	1000.00	1000.00
	टेलीफोन कार्यालय में जमा	108893.00	103893.00
	एस इ पी डबल्यू डी में जमा	152.00	152.40
	वाहन अनुरक्षण जमा	20000.00	
	इंडियन ऑयल में कार्पोरेशन में जमा	500.00	500.00
	डाक घर में जमा	100.00	100.00
	सी पी डबल्यू डी में जमा		48644000.00
	पी डबल्यू डी में जमा		17468721.00
	ईंधन फर्म में जमा	15000.00	25000.00
	न्यायलय में जमा	936688.00	
	एम एल एन एन जमा	10000.00	10000.00
	जोड ई	**1507128.00**	**66627362.40**
	प्राप्य आय		
	एआईसीटीई ग्रीष्मकालीन स्कूल	131303.00	131303.00
	एआईसीटीई शीतकालीन स्कूल	522332.00	522332.00
	शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड प्रशिक्षण	1968.00	1968.00
	परियोजना लेखा		-50790.00
	ए आई सी टी ई का प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम	146686.00	146686.00
	एच बी ए ब्याज - उपचित	239822.00	239822.00
	परामर्श शुल्क प्राप्य	1153497.00	1153497.00
	एनपीएस		
	पीएफ		
	पूर्वदन बीमा	51856.00	55313.00
	जोड उ	**2247464.00**	**2200131.00**
	कुल जोड अ से उ तक अनुसूची ११ (१)	**63250244.00**	**197048064.61**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै

३१ मार्च, २०१४ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

आय अनुसूची **(12-18)**

लाभ / हानि लेखा

12	**क्रय/सेवाओं से आय**		
	कर्मचारी आवास किराया	1037987.00	1186375.00
	अतिथि गृह कमरा किराया	2425448.00	190871.00
	हास्टल कमरा किराया	109987.00	2033622.00
	छठा सीपीसी वेतन वसूली - वेतन	110500.00	182011.00
	किताबों की बिक्री और सी डी	8550.00	78473.00
	संस्थान परिसर किराया / फिल्म शूटिंग शुल्क	20000.00	45000.00
	कुल अनुसूची १२	**3712472.00**	**3716352.00**
13	**आर्थिक सहायता अनुदान:**		
	भारत सरकार सहायता अनुदान गैर-योजना	103600000.00	93500000.00
	भारत सरकार सहायता अनुदान योजना आवर्ती	11000000.00	18814000.00
	भारत सरकार सहायता अनुदान योजना आवर्ती - एस सी		
	भारत सरकार सहायता अनुदान योजना आवर्ती - एस टी		
	भारत सरकार सहायता अनुदान योजना (पूँजीगत आस्तियाँ)		1643188.00
	कुल अनुसूची १३	**114600000.00**	**113957188.00**
14	**शुल्क और अभिदान:**		
	आवेदन पत्र शुल्क		5500.00
	पाठ्यक्रम शुल्क	25250.00	65350.00
	आईडीडीएस राजस्व प्राप्तियाँ	183900.00	262450.00
	एमटेक प्रवेश शुल्क	52000.00	20000.00
	एमटेक (मा सं वि) शिक्षा शुल्क	120000.00	150000.00
	पी हेचडी प्रवेश शुल्क		4000.00
	पी हेचडी शिक्षा शुल्क	920000.00	1042000.00
	कुल अनुसूची १४	**1301150.00**	**1549300.00**
15	**निवेशों से आय:**		
	विशेष सावधि जमा राशि पर ब्याज	3068597.00	3774649.00
	बैंक खाते पर ब्याज	1043.00	1481666.00
	कुल अनुसूची १५	**3069640.00**	**5256315.00**
16	**रॉयल्टी व प्रकाशन से आय**		
	रॉयल्टी	174833.00	145165.27
	तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा पत्रिका		-
	कुल अनुसूची १६	**174833.00**	**145165.27**
17	**अर्जित ब्याज:**		
	सवारी अग्रिम पर ब्याज	21136.00	65141.00
	भवन निर्माण अग्रिम पर ब्याज		-
	प्राप्त ब्याज		
	कुल अनुसूची १७	**21136.00**	**65141.00**
18	**अन्य आय :**		
	फुटकल राजस्व प्राप्तियाँ	119416.00	95462.00
	आई एस पी ए सम्मेलन		-
	अनुज्ञप्ति शुल्क	124964.00	71343.00
	निविदा शुल्क	9895.00	3120.00
	राष्ट्रीय कार्यशाला		-
	संस्थान उपरी - परियोजना	796046.00	
	ओ टी सी आय	11829388.00	
	परियोजना प्राप्तियाँ		
	आई डी डी एस	363900.00	46889.00
	कुल अनुसूची १८	**13243609.00**	**216814.00**
	कुल अनुसूची १२ से १८	136122840.00	124906275.27

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै

३१ मार्च, २०१४ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

अनुसूची २० से अनुसूची २२ तक

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2013-14 रु.पै.	गत वर्ष 2012-13 रु.पै.
20	**स्थापना व्यय**		
	वेतन व मजदूरी	64906740.00	62396300.00
	छुट्टी यात्रा रियायत	88130.00	328401.00
	संतान शिक्षण भत्ता	783680.00	856722.00
	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	1732178.00	1667087.00
	व्यावसायिक विकास व्यय	613759.00	286621.00
	पेंशन संराशीकरण	918086.00	3203471.00
	प्रदत्त पेंशन	23155521.00	21819661.00
	मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपदान	1998415.00	3009153.00
	अर्जित छुट्टी नकदीकरण	1320172.00	2734646.00
	तदर्थ बोनस	227388.00	249263.00
	ए जी आडिट को एल एस व पी सी		409584.00
	कुल अनुसूची २०	**95744069.00**	**96960909.00**
21	**अन्य प्रशासन व्यय**		
	विज्ञापन	425537.00	42637.00
	लेखा परीक्षा शुल्क	136310.00	
	भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		-6046.00
	फुटकर व बैंक प्रभार	553632.00	531677.00
	विद्युत ए सी अनुरक्षण	1311690.00	1529230.00
	मरामत अनुरक्षण	293668.00	
	वाहन अनुरक्षण	223859.00	232129.00
	विद्युत प्रभार	2959664.00	3621110.00
	अतिथि गृह व्यय	308070.00	234331.00
	फुटकर व्यय	1340733.00	
	छात्रावास व्यय	332923.00	51345.00
	बीमा	36722.00	32709.00
	अंतः खैलकूद प्रतियोगिता		261702.00
	सेवा कर पर ब्याज	33541.00	
	विधि प्रभार	2219900.00	1175400.00
	डाक व्यय	84277.00	80328.00
	दूरभाष व ट्रंककाल	309305.00	299704.00
	संपत्ति कर	130382.00	130382.00
	सुरक्षा शुल्क	1448926.00	1768590.00
	प्रदत्त सेवा कर	640186.00	405988.00
	यात्रा / सवारी	439301.00	376571.00
	जल प्रभार	1167749.00	689256.00
	जल कर	130382.00	56392.00
	गणतंत्र दिवस समारोह		
	कुल अनुसूची २१	**14526757.00**	**11513435.00**

22	**अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय**		
	पूँजीगत व्यय		
	कर्मचारी विकास कार्यक्रम	7333577.00	9346019.00
	शिक्षु प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृति	40177.00	41950.00
	भवन अनुरक्षण (योजना)	4421416.00	2185323.00
	विकास व्यय	1425662.00	1054785.00
	प्रलेखीकरण	-	-
	पत्रिकाएँ	78407.00	15220.00
	छपाई व लेखन सामग्री	371993.00	216969.00
	प्रयोगशाला व कार्यालय उपकरणों का अनुरक्षण	1356738.00	1430309.00
	अनुसंधान फेलोशिप	213000.00	1869578.00
	तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा पत्रिका	-	-
	अतिथि वक्ता पारिश्रमिव्य	158750.00	302500.00
	प्रयोगशाला के लिए उपभोज्य सामग्रियाँ	5296.00	33912.00
	डबल्यूआईडीडीएस	426090.00	2173294.00
	कौशल विकास (योजना)		2810.00
	वेब प्रभार	184328.00	211738.00
	आईडीडीएस	526175.00	
	अंतः खैलकूद प्रतियोगिता	149625.00	
	लेखा परीक्षा शुल्क		-50000
	कुल अनुसूची २२	**16691234.00**	**18834407.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)

३१ मार्च, २०१४ को तुलन पत्र

देयताएँ	रशि 2013-2014	रशि 2012-13	आस्तियाँ	रशि 2013-2014	रशि 2012-13
पूँजीगत लेखा	41336973.00	35317558.00	एस डी आर	33000000.00	
			अस्थायी अग्रिम	1109190.00	373530.00
			रा त शि प्र अ सं अंशदान	1114570.00	11829388.00
			इतिशेष		
			ऐक्सिस बैंक	6113213.00	23114640.00
कुल	**41336973.00**	**35317558.00**	कुल	**41336973.00**	**35317558.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)

३१.०३.२०१४ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

	2013-14		2013-14
पुस्तकें और पत्रिकाएँ	706757.00	परियोजना प्राप्तियाँ	22233250.00
ओ टी सी व्यय	761951.00	ब्याज बैंक	1298065.00
सीडीआईएमडी - XXXII बैच	2902555.00	निर्वाह भत्ता	70719.00
डीटीईएमडीजी	707809.00	प्रियर पिरियड आय	2,486,494.00
आईसीटी-III	2283619.00		
एम एल पी एम-VI	521200.00		
अतिथि गृह - आवास भोजन	1753006.00		
एसडीईएम बैच	315243.00		
यात्रा व सवारी	1265868.00		
डब्लयूईटीटीवीई	1075888.00		
डब्लयू क्यू ए-१ बैच	1805215.00		
ओ टी सी अस्वीकृत	11989417.00		
व्यय से अधिक आय			
कुल	**26088528.00**	कुल	**26088528.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)

प्राप्तियाँ और अदायगियाँ

अप्रैल २०१३ से ३१ मार्च २०१४ तक

प्राप्तियाँ	2013-14	अदायगियाँ	2013-14
बैंक लेखा	23114640.00	शुल्क और कर	2789.00
रोकड़ शेष	373530.00	विविध लेनदार	327843.00
शुल्क और कर	3280.00	अस्थायी अग्रिम	
स.प्र.पा प्राप्तियाँ	24719744.00	स.प्र.पा व्यय	10141513.00
ब्याज बैंक	1298065.00	बैंक लेखा	39113213.00
रा त शि प्र अ सं. अंशदान	1114570.00	रोकड़ शेष	1109190.00
निर्वाह भत्ता	70719.00		
कुल	**50694548.00**	कुल	**50694548.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

परियोजना लेखा

३१.०३.२०१४ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए तुलन पत्र

देयताएँ	राशि रु.पै. 2013-14	परिसंपतियाँ	राशि रु.पै. 2013-14
परियोजना २००९-१०			
०१-टीएनपीएल/एसएमओएच/२००९-१०	8643.00		
०२-टीएनपीसीबी/एसएमओएच/२००९-१०	24833.00	आरक्षित निधि और अधिशेष	14512.00
०३-रामके/एसएमओएच/२००९-१०			
०४-इलक्ट्रो/एसएमओएच/२००९-१०		इंडियन ओवरसीज़ बैंक	6456807.00
०५-पीडब्लयूडी/एसएमओएच/२००९-१०		एलसी परियोजना एसडीआर	306800.00
०६-एमकेयू/टीजीएस/२००९-१०	120528.00	अस्यायी अग्रिम	68500.00
०७-सीजीडब्लयू/एसएमओएच/२००९-१०			
०८-एबीएन/एमओएच/२००९-१०	287481.00		
०९-एमओईएफ.ईएसी/एसएमओएच/२००९-१०	500.00	**परियोजना २०११-१२**	
१०-टीएनपीएल-२/एसएमओएच/२००९-१०			
११-टीएनआरएसपी/एसएमओएच/२००९-१०		४३-सीईएम/रे/सीपीई/एसएमओएच/२०११-१२	1207558.00
१२-एनएलसी/एसएमओएच/२००९-१०		४१-सीईएम/रे/टीआरओय/एसएमओएच/२०११-१२	753660.00
१३-ईटीईटीटीटीएस/एसएमओएच/२००९-१०	776634.00	४०-सीईएम/रे/टीवीएल/एसएमओएच/२०११-१२	540284.00
परियोजना २०१०-११			
१६-टीएनएससीबी.रे/एसएमओएच/२०१०-११	94080.00	आय से अधिक व्यय	
१७-टीएनडब्लयूएमएल/पी२/एसएमओएच/२०१०-११	71897.00		
१८-डीपीडीओटीएम/एसएमओएच/२०१०-११	60297.00		
१९-ईसीएमएमडब्लयूडी/एसएमओएच/२०१०-११	191458.00		
२०-डीडब्लयूपीडीसीऐसीटी/एसएमओएच/२०१०-११	417133.00		
२४-डीपीआर/बोट/एसएमओएच और वीटी/२०१०-११	834730.00		
२५-डीपीएफ/लेक.एसडीपी/एसएमओएच/२०१०-११	158336.00		
३०-एनआईसी-जीडब्लयूएम/एसएमओएच/२०१०-११	975403.00		
परियोजना २०११-१२			
३१-सीईएम/एलटी.०२/एसएमओएच/२०११-१२	6573.00		
३२-पीडब्लयूडी/डीऐएस.एनआर/एल१/एसएमओएच/२०११-१२	28496.00		
३३-एनसीपी/एसडीपी/सीडीसी/२०११-१२	1000000.00		
३५-सीईएम/एलटी और जार/एसएमओएच/२०११-१२	7252.00		
३६-सीईएम/एसपीएसी.ईऐए/एसएमओएच/२०११-१२	79737.00		
४४-टीएनआरएसपी/सीएसपी/एसएमओएच/२०११-१२	997250.00		
४६-सीईएम/टीएनआरएसपी.टीआरजी/एसएमओएच/२०११-१२	781691.00		
४७-रामके.पी२सीएस/एसएमओएच/२०११-१२	500775.00		
५०-सीईएम/एसडीपी/एसएमओएच/२०११-१२	10440.00		
५१-सीईएम/रैइटस/एसएमओएच/२०१२-१३	812674.00		
५२-टीएनएससीपी/ओआरटी/एसएमओएच/२०११-१२	88915.00		

परियोजना २०१२-१३			
५४-टीएनएससीबी-वीओएल-३/एसएमओएच/२०१२-१३	210072.00		
५५-टीएनएससीबी-वीओएल-३/एसएमओएच/२०१२-१३	73970.00		
५६-रैटीस-II/एसएमओएच/२०१२-१३	43764.00		
परियोजना २०१३-१४			
५७-आरएम-साईएल/एसएमओएच/२०१२-१३			
५८-एसआरडी/टीएनपिसीबी-एमएसडब्लयू/एसएमओएच/२०१३-१४	388788.00		
५९-आईसीपी/सीईएम/टीएनपिसीबी-परीक्षा/एसएमओएच/२०१३-१५	108416.00		
६१-आईसीपी/टीएनपिसीबी-टीआर/सीईएम/२०१३-१४	4309.00		
विविध लेनदार			
एनआईटीटीटीआर	750.00		
शुल्क और कर	4232.00		
व्यय से अधिक आय	178064.00		
कुल	**9348121.00**	कुल	**9348121.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

परियोजना लेखा

३१.०३.२०१४ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

व्यय	राशि रु. पै. 2013-14	आय	राशि रु. पै. 2013-14
परियोजना व्यय		सावधि जमा पर ब्याज (एलसी एफडी)	184,457.00
एलसी प्रारंभिक प्रभार	6,393.00		
व्यय से अधिक आय	178,064.00		
	184,457.00		**184,457.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

प्राप्तियाँ और अदायगियाँ

१ अप्रैल २०१३ से ३१ मार्च २०१४ तक

प्राप्तियाँ	2013-14	2012-13	अदायगियाँ	2013-14	2012-13
बैंक लेखा	7417321.00	7591556.00	शुल्क और कर	186304.00	
रोकड़ शेष	61500.00	596000.00	विविध लेनदार	1387985.00	
			एफवाई २००९-२०१० परियोजनाएँ	1142856.00	427603.00
शुल्क और कर	77886.00		एफवाई २०१०-२०११ परियोजनाएँ	1968741.00	487212.00
एफवाई २०१०-२०११ परियोजनाएँ	2437783.00	644184.00	एफवाई २०११-२०१२ परियोजनाएँ	2604574.00	4961039.00
एफवाई २०११-२०१२ परियोजनाएँ	3418396.00	4192522.00	एफवाई २०१२-२०१३ परियोजनाएँ	269040.00	313417.00
एफवाई २०१२-२०१३ परियोजनाएँ	252810.00	658342.00	एफवाई २०१३-२०१४ परियोजनाएँ	590773.00	
एफवाई २०१३-२०१४ परियोजनाएँ	1138620.00		बैंक प्रभार		1500.00
			एलसी प्रभार	6393.00	105563.00
एसडीआर ब्याज	184457.00	92551.00	परियोजना व्यय		
			बैंक लेखा	6763607.00	7417321.00
			रोकड़ शेष	68500.00	61500.00
कुल	**14988773.00**	**13775155.00**	कुल	**14988773.00**	**13775155.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३।

लेखा सिद्धांत

अनुसूची - 24 - उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. इस संस्थान के वित्तीय विवरण (यथा तुलन पत्र और आय व्यय लेखा) रोकड़ आधार पर अधिकतर तैयार किए जाते है।

2. तुलन पत्र और आय व्यय लेखे की तैयारी और प्रस्तुति में अपना सभी उल्लेखनीय लेखा नीतियों का विवरण तुलन पत्र में शामिल है।

3. यह संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास द्वारा वित्त पोषित है, अनुदान प्राप्त करता है और निम्नलिखित चार लेखा समूह समुचित अनुसूचियों के साथ एन आई टी टी आर, ओटीसी, परियोजना, भ.नि. के लिए संकलन करता है।

   - तुलन पत्र
   - आय-व्यय लेखा
   - प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा

4. मूल्यह्रास:

   आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दर के अनुसार मूल्यह्रासित मूल्य विधि पर मूल्यह्रास्ति का प्रावधान है।

5. पेंशन, उपदान और छुट्टी नकदीकरण रोकड़ आधारित है।

6. चूँकि राज्य सरकार ने संस्थान को भूमि सुपुर्द नहीं की है भूमि का मूल्य ज्ञात नहीं है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३।

अनुसूची - 25 - लेखे पर टिप्पणी

1. निम्न के संबंध में:

   1.1 बैंक गॉरटी / संस्थान द्वारा / की ओर से प्रदत्त एल सी रु.3,06,800/-

2. निम्न के संबंध में विवादित माँगें:

   2.1 आयकर - शून्य

   2.2 बिक्री कर - शून्य।

   2.3 संपत्ति कर - शून्य।

3. कराधान :

   आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर योग्य आय के न होने से आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया।

   इस संस्थान को पक्षों से प्राप्त शुल्क / प्रभार सहित आयकर पर टीडीएम से छूट प्राप्त है। इस संबंध में आयकर अधिनियम, 1961 की संबंधित 10(23c) (iii ab) की धारा नीचे उद्घृत है।

   कोई विश्वविद्यालय या अन्य शैक्षिक संस्थान केवल शैक्षिक कार्य के लिए हो और लाभार्जन के लिए न हो और जो सरकार से पूर्णतः अथवा ठोस रूप से वित्त पोषित हो वह आयकर से छूट प्राप्त है।

4. गत वर्ष के अनुरुपी आँकड़े अवश्यकतानुसार पुनः समूहित/पुनः व्यवस्थित किए गए हैं।

5. 1 से 25 तक की अनुसूचियाँ 31.03.2014 के तुलन पत्र और आय-व्यय के साथ संलग्नित है या उसके अविभाज्य अंग है।

6. एनपीएस ब्याज सहित राशि अपलोड़ की जा रही है और शीघ्र ही एन एस डी एल लेखे में जमा की जाएगी।

7. वित्तीय विवरण रोकड़ आधार पर तैयार किया जाता है।

8. जमा राशि पर ब्याज रोकड़ आधार पर तैयार किया जाता है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

2013-14- का उपयोग प्रमाण पत्र
गैर - योजना (वेतन)

(अनंतिम)

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	
1.	Lr. No.6-8/2013 TS.IV, dt: 12.06.2013	1,50,00,000	प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष 2013-14 के दौरान हाशिए में निर्दिष्ट इस मंत्रालय / विभाग की पत्र संख्या के तहत निदेशक एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम स्वीकृत राशि 6,60,00,000/-रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित शैष राशि रु.46,75,162/- में से 6,52,54,546/-रु.गैर-योजना (वेतन) व्यय के लिए जिसके लिए राशि मंजूर की गई थी खर्च किए गए और गैर-योजना (वेतन) की अव्ययित शैष राशि के 54,20,616/-रु. अगले साल 2014-15 के दौरान सहायता अनुदान में समायोजित किए जाएँगे।
2.	Lr. No.6-8/2013 TS.IV, dt: 30.08.2013	1,60,00,000	
3.	Lr. No.6-8/2013 TS.IV, dt: 18.12.2013	2,50,00,000	
4.	Lr. No.6-8/2013 TS.IV, dt: 25.03.2014	1,00,00,000	
	योग	6,60,00,000	

मैं पूर्णतः संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

1. मासिक व्यय
2. त्रैमिसिक व्यय
3. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३ ।

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

योजना का 2013-14- का
उपयोग प्रमाण पत्र - गैर-योजना (सामान्य)

(अनंतिम)

<table>
<tr><th>क्रम सं.</th><th>पत्र सं. व दिनांक</th><th>रकम
रु.</th><td rowspan="6">प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष 2013-14 के दौरान हाशिए में दर्शाए इस मंत्रालय / विभाग की पत्र संख्या के अधीन निदेशक, एनआईटीटीटीआर चेन्नई के नाम सहायता अनुदान के रुप में स्वीकृत राशि रु.3,76,00,000/- और पिछले साल के अव्यछित शेष राशि रु.17,73,488/- में से गैर-योजना (सामान्य) के लिए 3,04,89,523/-रु. जिसके लिए यह राशि मंजूर की गई थी उसके लिए खर्च किए गए और 88,83,965/-रु. की शेष राशि 2014-15 के दौरान देय सहायता अनुदान में समायोजित की जाएगी।</td></tr>
<tr><td>1.</td><td>Lr. No.6-8/2013
TS.IV, dt: 12.06.2013</td><td>60,00,000</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>Lr. No.6-8/2013
TS.IV, dt: 30.08.2013</td><td>90,00,000</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>Lr. No.6-8/2013
TS.IV, dt: 18.12.2013</td><td>1,20,00,000</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>Lr. No.6-8/2013
TS.IV, dt: 25.03.2014</td><td>1,06,00,000</td></tr>
<tr><td></td><td>योग</td><td>3,76,00,000</td></tr>
</table>

मैं पूर्णतः संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

1. मासिक व्यय
2. त्रैमिसिक व्यय
3. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

योजना (सामान्य)
का 2013-14- का उपयोग प्रमाण पत्र
(आवर्ती)

(अनंतिम)

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	
1.	Lr. No.6-9/2013 TS.IV, dt: 03.09.2012 (सामान्य) Rs.23,41,000 (एस सी) Rs.4,50,000 (एस टी) Rs. 2,09,000	30,00,000	प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष 2013-14 के दौरान हाशिए में दर्शाए इस मंत्रालय / विभाग की पत्र संख्या के अधीन निदेशक एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत राशि 1,10,00,000/-रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि 59,31,179/-रु. में से योजना (सामान्य) व्यय के लिए 1,66,91,234/-रु. जिसके लिए यह राशि मंजूर की गई थी, खर्च किए गए और अव्ययित योजना अनुदान की अतिरिक्त राशि 2,39,945/-रु. वर्ष 2014-15 के दौरान देय सहायता अनुदान में समायोजित की जाएगी।
2.	Lr. No.6-9/2012 TS.IV, dt: 18.12.2013 (सामान्य) Rs.39,02,000 (एस सी) Rs. 7,50,000 (एस टी) Rs. 3,48,000	50,00,000	
3.	Lr. No.6-9/2013 TS.IV, dt: 26.03.2014 (सामान्य) Rs.23,41,000 (एस सी) Rs. 4,50,000 (एस टी) Rs. 2,09,000	30,00,000	
	योग	1,10,00,000	

मैं पूर्णतः संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

1. मासिक व्यय
2. त्रैमिसिक व्यय
3. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

फार्म जी एफ आर 19A

(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

योजना पूँजीगत आस्तियों को वर्ष 2013-14- का उपयोग प्रमाण पत्र (अनावर्ती)

(अनंतिम)

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	
1.	Lr. No.6-9/2013 TS.IV, dt: 03.09.2013 (सामान्य) Rs.1,92,89,000 (एस सी) Rs.37,56,000 (एस टी) Rs. 19,55,000	2,50,00,000	प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष 2013-14 के दौरान हाशिए में दर्शाए इस मंत्रालय / विभाग की पत्र संख्या के अधीन निदेशक एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत राशि 3,07,39,000/-रु. और गत वर्ष की अव्ययित शेष राशि 1,28,88,790/-रु.* में से 4,28,37,267/-रु. योजना (पूँजीगत आस्तियों) के लिए खर्च किए गए जिस के लिए यह राशि मंजुर की गई थी, और योजना अनुदान (पूँजीगत आस्तियों) में अन्रयुक्त शेष राशि 7,90,523/- रु. 2014-15 (अगले वर्ष) में समायोजित किए जाएँगे।
2.	Lr. No.6-9/2013 TS.IV, dt: 26.03.2014 (सामान्य) Rs.46,29,000 (एस सी) Rs. 8,95,000 (एस टी) Rs. 2,15,000	57,39,000	
	योग	3,07,39,000	

*01.04.2013 को अथशेष - 59,29,236/-

ले नि वि से जो अव्यक्ति जमा शेष है, प्राप्त राशि - 69,59,554/-

मैं पूर्णत: संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

1. मासिक व्यय
2. त्रैमिसिक व्यय
3. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३।

2013 - 14
का भविष्य निधि लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१४ तक का तुलन पत्र

देयताएँ	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	परिसंपतियाँ		राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अभिदाता लेखा			**अस्थायी अग्रिम**			
जी पी एफ 01.04.2013 में शेष	25,790,475.76		जीपीएफ 01.04.13 में शेष		1,955,092.30	
जोड़िए: अभिदान 2013-14 में	6,132,812.00		जोड़िए: 2013-14 में अग्रिम		1,651,363.00	
जोड़िए: अभिदान पर ब्याज	1,807,211.00				3,606,455.30	
	33,730,498.76		घटायें : अग्रिमों की वसूली		1,105,379.00	
घटायें : आंशिक/अंतिम भुगतान	4,232,822.00		घटायें : आंशिक/अंतिम भुगतान में परिवर्तित अग्रिम		181,804.00	2,319,272.30
घटायें : आंशिक/अंतिम भुगतान में परिवर्तित अग्रिम	181,804.00	29,315,872.76				
			सी पी एफ 01.04.2013 में शेष			6,816.00
एनपीएस 01.04.2013 को	5,682,665.00		**इति शेष**			
जोड़िए: अभिदान 2013-14 में	295,605.00		**सा भ नि**			32,472,634.41
जोड़िए: अभिदान पर ब्याज			i) बचत खाते में		4047509.41	
		5978270.00	ii) जमा खाते में		28425125.00	
			विशेष जमा - आई ओ बी	2804732.00		
सीपीएफ अदावी शेष		3,286.45	विशेष जमा - एस बी आई	2620393.00		
			आर डी पी - आई ओ बी	7000000.00		
नियोक्ता अंशदान		-231862.00	एस टी डी - आई ओ बी	4000000.00		
			अल्प विधि जमा - आई ओ बी	8000000.00		
अदावी शेष		11,170.00	अल्प विधि जमा - आई ओ बी	4000000.00		
01.04.2013 तक व्यय से अधिक आय	3335863.50		**एनपीएस**			4508549.00
जोड़िए: व्यय से अधिक आय	894671.00	4230534.50	i) बचत खाते में		508549.00	
			ii) जमा खाते में		4000000.00	
		39307271.71				**39307271.71**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१४ को समाप्त आय व व्यय लेखा

व्यय	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	आय	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अभिदाताओं के खाते में जमा ब्याज			निवेशों पर ब्याज		
जीपीएफ		1,807,211.00	आई ओ बी विशेष जमा राशि	228,630.00	
			एस बी आई विशेष जमा राशि	244,012.00	472,642.00
व्यय से अधिक आय		894,671.00			
			निवेशों पर ब्याज		
			अल्पावधि जमा पर ब्याज		
			जी पी एफ	1,816,133.00	
			एन पी एस	216,906.00	2,033,039.00
			एस बी खाते पर ब्याज		
			जी पी एफ	144,372.00	
			एन पी एस	51,829.00	196,201.00
		2,701,882.00			**2,701,882.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१४ को समाप्त प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा

प्राप्तियाँ		राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अथ शेष			
सा.भ.नि.			28,685,481.41
i) बचत खाते में		4,260,356.41	
ii) जमा खाते में		24,425,125.00	
विशेष जमा - आई ओ बी	2,804,732.00		
विशेष जमा - एस बी आई	2,620,393.00		
आर डी पी - आई ओ बी	7,000,000.00		
एस टी डी - आई ओ बी	4,000,000.00		
अल्प विधि जमा - आई ओ बी	8,000,000.00		
एनपीएस			
i) बचत खाते में			3,944,209.00
अभिदान			6,428,417.00
सा.भ.नि.		6,132,812.00	
एनपीएस		295,605.00	
अग्रिम की वसूली			
सा.भ.नि.			1,105,379.00
निवेशों से आय			
सा म नि - आईओबी वि. जमा पर व्या.		228,630.00	472,642.00
सा म नि - एस बी आई वि. जमा पर व्या.		244,012.00	
सा म नि - अल्प विधि जमा पर व्या.		1,816,133.00	2,033,039.00
एनपीएस - अल्प विधि जमा पर व्या.		216,906.00	
सा म नि - बचात खाते पर ब्याज		144,372.00	196,201.00
एनपीएस - बचात खाते पर ब्याज		51,829.00	
			42,865,368.41

अदायगियाँ		राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अस्थायी अग्रिम			
सा.भ.नि.			1,651,363.00
अभि. से आंशिक/अंतिम निकासी			
सा म नि - आंशिक अंतिम निकासी		3,524,500.00	
अंतिम निकासी		708,322.00	4,232,822.00
इति शेष			
सा.भ.नि.			
i) बचत खाते में		4,047,509.41	32,472,634.41
ii) जमा खाते में		28,425,125.00	
विशेष जमा - आई ओ बी	2,804,732.00		
विशेष जमा - एस बी आई	2,620,393.00		
आर डी पी - आई ओ बी	7,000,000.00		
एस टी डी - आई ओ बी	4,000,000.00		
अल्प विधि जमा - आई ओ बी	8,000,000.00		
अल्प विधि जमा - आई ओ बी	4,000,000.00		
एनपीएस			4,508,549.00
i) बचत खाते में	508,549.00		
ii) जमा खाते में	4,000,000.00		
			42,865,368.41